हरिभूमि
रेवाड़ी भूमि
रोहतक, रविवार, जून 23, 2024

तापमान
अधिकतम 40.2 डिग्री
न्यूनतम 29.6 डिग्री

12 बरसात शुरू होते ही बढ़ेगा डेंगू का खतरा सप्ताह में एक दिन ड्राई-डे मनाएं : सीएमओ

12 हीटवेव का असर खत्म, तापमान में कमी के बावजूद बढ़ी परेशानी

खबर संक्षेप

रास्ते में खड़ी ट्रैक्टर की ट्रॉली चोरी

बावल। गुजरीवास गांव में रास्ते में खड़ी एक ट्रैक्टर की ट्रॉली चोरी हो गई। पुलिस शिकायत में पंकज ने बताया कि वह अपने ट्रैक्टर की ट्रॉली घर से कुछ दूरी पर एक रास्ते में खड़ी करता था। 18 जून की रात चोर उसकी ट्रॉली चोरी कर ले गए। जब उसे ट्रॉली गाबय मिली तो उसने अपने स्तर पर काफी पूछताछ की। इसके बाद भी ट्रॉली का कोई पता नहीं चला। कोई व्यक्ति ट्रॉली को ट्रैक्टर के साथ जोड़कर ले गया।

मारपीट व धमकी देने के आरोपी काबू

रेवाड़ी। पुलिस ने मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने के तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। थाना बावल पुलिस ने 18 जून को दर्ज किए गए केस में पनवाड़ निवासी रविंद्र उर्फ तितरिया को गिरफ्तार किया है। थाना खोल पुलिस ने रास्ता रोककर मारपीट करने के आरोप में नांगल जमालपुर निवासी कमल को गिरफ्तार किया है। उसके खिलाफ गत वर्ष 23 दिसंबर को केस दर्ज किया गया था।

एक्सीडेंट के बाद ई-रिक्शा चालक लापता

रेवाड़ी। हरीनगर के पास ई-रिक्शा एक्सीडेंट होने के बाद उसका चालक लापता हो गया। पुलिस शिकायत में कुतुबपुर निवासी नरेंद्र बताया कि वह ई-रिक्शा किराए पर देता है। उसकी ई-रिक्शा को कुतुबपुर का रहने वाला संदीप लेकर गया था। ई-रिक्शा हरिनगर फ्लाईओवर के पास एक्सीडेंट हो गई। उसके बाद चालक संदीप लापता हो गया। काफी तलाश करने के बाद भी उसका कोई पता नहीं चला। पुलिस ने केस दर्ज करने के बाद चालक की तलाश शुरू कर दी।

27 को कई ट्रेनें रहेंगी प्रभावित

भाड़ावास रेलवे फाटक पर आरओबी निर्माण के लिए खुदाई की शुरू

धीमे चल रहे आरओबी निर्माण कार्य से लोग परेशान, कार्य पूरा होने पर मिलेंगी राहत

हरिभूमि न्यूज. रेवाड़ी

रेवाड़ी-भाड़ावास मार्ग स्थित रेलवे फाटक पर आरओबी निर्माण कार्य भले ही पूरा नहीं हो पाया है तथा धीमी गति से चल रहे इस कार्य में अभी और भी समय लगने वाला है, लेकिन रेलवे की ओर से अलवर-रेवाड़ी रेलखंड के बीच मध्य स्थित इस समपार फाटक संख्या 61 पर आरयूबी यानि अंडरपास के निर्माण कार्य का शुभारंभ कर दिया गया है। अंडरपास के लिए सीमेंटेड फ्रेम पहले ही आ चुके है।

सितंबर 2021 में शुरू किया गया आरओबी बनने का कार्य 18 महीने में पूरा होना था, लेकिन इस कार्य को करीब पौने तीन साल बीत चुके है और अभी भी 40 प्रतिशत के करीब कार्य अधूरा पड़ा हुआ है, जिसके कारण भाड़ावास मार्ग पर स्थित करीब 30 से 35 गांवों के लोगों व फाटक के पास स्थित चार कॉलोनियों के हजारों लोगों को परेशानी उठानी पड़ रही है। निर्माण कार्य को जल्दी कराने की मांग को लेकर गत 16 जून को आसपास के कॉलोनीवासी धरना भी दे चुके है तथा विधायक चिरंजीव राव भी रेलमंत्री अश्वनी वैष्णव को पत्र लिख चुके है, लेकिन फाटक पर लंबे समय के बाद आरयूबी का निर्माण कार्य शुरू होने से लोगों ने राहत की सांस ली है, आयूबी बनने से लोगों के आवागमन की राह खुल जाएगी। रेलवे की ओर से भाड़ावास रेलवे फाटक पर आरयूबी निर्माण के लिए रेल यातायात प्रभावित होने का शेड्यूल भी जारी कर दिया गया है। उत्तर पश्चिम रेलवे के जयपुर मंडल की ओर से अलवर-रेवाड़ी रेलमार्ग की कुछ ट्रेनों के संचालन समय में फेरबदल किया है।

रेवाड़ी। भाड़ावास रेलवे फाटक के पास आरयूबी के लिए खुदाई करती जेसीबी।

रेवाड़ी। आरयूबी के लिए रखे हुए सीमेंट के फ्रेम।

सर्विस रोड में भी आ रही अड़चन

भाड़ावास रेलवे फाटक के पास स्थित कॉलोनियों के निवासी आरओबी के दोनों तरफ सर्विस रोड के निर्माण के लिए केंद्र व प्रदेश मंत्रियों सहित विभागों को शिकायत भेज चुके है। लोगों का कहना है कि पुल के निर्माण से सर्विस रोड की चौड़ाई मात्र 7 से 8 फीट ही रह गई है, जिसमें बिजली विभाग के खंबे, पानी की लाइन व सीवर लाइन भी है, जिसकी वजह से रास्ता और भी छोटा हो जाएगा, जिससे कंपनीबाग, हंस नगर, न्यू आदर्श नगर व परशुराम कॉलोनी के करीब 5000 लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ेगा, जबकि लोक निर्माण विभाग बी एंड आर ने आरटीआई के माध्यम से स्वयं बताया कि स्टेट हाइवे-15 की रेवाड़ी से साझापुर की वास्तविक चौड़ाई 88 फीट है। इसलिए कुल चौड़ाई में से बन रहे पुल की चौड़ाई में से 54 फीट हटा दे तो 34 फीट का रास्ता बचता है, जिसके हिसाब से पुल के दोनों ओर 17-17 फीट की सर्विस रोड बनाई जानी चाहिए, लेकिन सरकार और अधिकारी जान बूझकर अनदेखी कर रहे है।

आरओबी निर्माण से यह ट्रेने होंगी प्रभावित

उत्तर पश्चिम रेलवे के सीपीआरओ कैप्टन शशि किरण ने बताया कि आरयूबी कार्य के कारण उत्तर पष्चिम रेलवे की कई रेलसेवाएं प्रभावित रहेगी। गाड़ी संख्या 09635 जयपुर-रेवाड़ी स्पेशल रेलसेवा 27 जून को जयपुर से प्रस्थान करके अलवर तक ही संचालित होगी। यह रेलसेवा अलवर-रेवाड़ी स्टेशनों के मध्य आंशिक रद रहेगी। गाड़ी संख्या 09636 रेवाड़ी-जयपुर स्पेशल रेलसेवा 27 जून को रेवाड़ी के स्थान पर अलवर से संचालित होगी। गाड़ी संख्या 14312 भुज-बरेली रेलसेवा 27 जून को भुज से प्रस्थान करके परिवर्तित मार्ग वाया फुलेरा-रींगस-रेवाड़ी होकर संचालित होगी एवं रींगस व नारनौल स्टेशनों पर ठहराव करेगी। गाडी संख्या 14661 बाड़मेर-जम्मूतवी रेलसेवा 27 जून को बाड़मेर से प्रस्थान करके परिवर्तित मार्ग वाया फुलेरा-रींगस-रेवाडी होकर संचालित होगी एवं रींगस व नारनौल स्टेशनों पर ठहराव करेगी। गाड़ी संख्या 14662 जम्मूतवी-बाड़मेर रेलसेवा 26 जून को जम्मूतवी से प्रस्थान करके परिवर्तित मार्ग वाया रेवाड़ी-रींगस-फुलेरा होकर संचालित होगी एवं नारनौल व रींगस स्टेशनों पर ठहराव करेगी। गाड़ी संख्या 14311 बरेली-भुज रेलसेवा 27 जून को बरेली से प्रस्थान करके परिवर्तित मार्ग वाया रेवाडी-रींगस-फुलेरा होकर संचालित होगी। गाड़ी संख्या 09408 दिल्ली सराय-भुज रेलसेवा 26 जून को दिल्ली सराय से प्रस्थान करके रेवाडी स्टेशन पर 1 घंटे 5 मिनट रेगुलेट रहेगी। गाड़ी संख्या 12916 दिल्ली-साबरमती रेलसेवा 26 जून को दिल्ली से प्रस्थान करके रेवाडी स्टेशन पर 40 मिनट रेगुलेट रहेगी। गाड़ी संख्या 12916 दिल्ली-साबरमती रेलसेवा 27 जून को दिल्ली से प्रस्थान करके रेवाडी स्टेशन पर 20 मिनट रेगुलेट रहेगी।

रेवाड़ी। कार्यालय भवन का शिलान्यास करते मंत्री।

नया गांव में 1.70 करोड़ की लागत के जलघर का शुभारंभ

- जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री डा. बनवारी लाल बोले शहर में सुचारू जलापूर्ति के लिए जमीन मिलने पर बनाया जाएगा वाटर वर्क्स

हरिभूमि न्यूज. रेवाड़ी

लोकनिर्माण एवं जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री डा. बनवारी लाल ने शनिवार को जलघर परिसर में 17 करोड़ रुपए से अधिक की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन तथा शिलान्यास किया। उन्होंने कहा कि सरकार की ओर से दक्षिण हरियाणा के घर-घर तक पानी पहुंचाने के प्रयास किए जा रहे हैं। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हर घर को नल से जल देने के लिए जल जीवन मिशन कार्यक्रम को लागू किया था। मुख्यमंत्री नायब सिंह के नेतृत्व में इस मिशन को सफलता पूर्वक चलाया जा रहा है। शनिवार को नया गांव में एक करोड़ 70 लाख रुपए की लागत से बनकर तैयार हुए नए जल घर का शुभारंभ किया गया। इस जल घर के बनने से नया गांव और आसपास रहने वाले ग्रामीणों को उनके घर पर 70 लीटर प्रति व्यक्ति के हिसाब से नहरी पानी की सप्लाई दी जाएगी।

कैबिनेट मंत्री ने कहा कि जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए जलघर परिसर में करीब पांच करोड़ रुपए की लागत से नए कार्यालय भवन का निर्माण किया जाएगा, जिसका डा. बनवारी लाल ने शिलान्यास किया। मंत्री ने कहा कि शहर के रामपुरा और वार्ड 24 से 31 तक की आबादी के लिए बनाए गए एसटीपी प्लांट की क्षमता को 6.5 एमएलडी से बढ़ाकर 10 एमएलडी का किया जा रहा है, जिस पर 10 करोड़ 31 लाख 55 हजार की राशि खर्च होगी। इस कार्य का भी शिलान्यास किया गया। जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री ने कहा कि आमजन को पानी बेकार बहाने की बजाय जल का संरक्षण करना चाहिए। उन्होंने कहा कि शहर में सुचारू जलापूर्ति के लिए वाटर स्टोरेज टैंक का निर्माण कराने के लिए प्रयास किया जा रहा है। परियोजना के लिए जमीन की तलाश की जा रही है। जमीन मिलते ही काम शुरू कर दिया जाएगा।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर जनस्वास्थ्य विभाग के अधीक्षण अभियंता सतीश राठी, कार्यकारी अभियंता विनय प्रकाश, रविन्द्र गोठवाल, अशोक यादव, एसडीओ इंद्रजीत यादव, भाजपा की प्रदेश प्रवक्ता वंदना पोपली, एवं चेयरमैन जितेंद्र, दलेल सिंह चौहान, नगर पार्षद कुसुम लता, सतेंद्र व सरपंच विशुपाल सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद थे।

SMT. SHANTI DEVI EDUCATIONAL TRUST
SAHARANWAS, REWARI (HR.)

SMT. SHANTI DEVI
COLLEGE OF MGMT. & TECHNOLOGY
SAHARANWAS, DISTT. REWARI
Approved by AICTE, New Delhi & Affiliated to IGU Meerpur, Rewari

ADMISSION OPEN
for Session 2024-25
COURSES OFFERED
MBA
DUAL SPECIALIZATION
DURATION:
QUALIFICATION: FOR SC / ST- 48%
FOR GEN. / OBC - 50%
BBA
DURATION:
QUALIFICATION:
FOR SC / ST- 48%
FOR GEN. / OBC - 50%
100% SCHOLARSHIP FOR SC/ST STUDENTS IN BBA
SPECIAL POINTS : » 100% PLACEMENT
» EXTRA CURRICULAR ACTIVITIES » OUTSTANDING RESULTS
sdmcollege09@gmail.com, www.ssdmtc.com
FOR MORE DETAILS:
9896422124, 9416891001, 8168856968

SMT. SHANTI DEVI
COLLEGE OF NURSING
NARNAUL ROAD, GANGOLI (SAHARANWAS), REWARI
(Approved by Indian Council, New Delhi, HNMC Panchkula), Affiliated to Pt.B.D.Sharma U.H.S. Rohtak & HNMC Panchkula, Govt. of Haryana
ADMISSION OPEN
for Session 2024-25
B. SC. Nursing
DURATION: 4 YEARS | AGE CRITERIA: 17 TO 35 YEARS
QUALIFICATION: 10+2 PASSED WITH P.C.B. ENGLISH (50%)
G.N.M.
DURATION: 3 YEARS | AGE CRITERIA: 17 TO 35 YEARS
QUALIFICATION: 10+2 PASSED ANY STREAM (45%)
A.N.M.
DURATION: 2 YEARS | AGE CRITERIA: 17 TO 35 YEARS
QUALIFICATION: 10+2 PASSED ANY STREAM (45%)
FOR MORE DETAILS: 9896422124, 9467539278

SMT. SHANTI DEVI
LAW COLLEGE
NARNAUL ROAD, GANGOLI (SAHARANWAS), REWARI
Affiliated to IGU Meerpur, Rewari &
Approved by Bar Council of India, New Delhi
ADMISSION OPEN
for Session 2024-25
B.A. LL.B
5 YEARS
ELIGIBILITY : 12TH ANY STREAM WITH 50% FOR GEN. & BC CAT. 47.5% FOR SC CAT. OF HARYANA ONLY
LL.B
3 YEARS
ELIGIBILITY : GRADUATION WITH 50% FOR GEN. & BC CAT. 47.5% FOR SC CAT. OF HARYANA ONLY
LL.M
2 YEARS
ELIGIBILITY : LL.B (PROFESSIONAL) WITH 50% MARKS. FOR GEN. & BC CAT. 47.5% FOR SC CAT. OF HARYANA ONLY.
NOTE: LAST DATE & OTHER CONDITIONS AS PER INDIRA GANDHI UNIVERSITY MEERPUR, REWARI
For Further Details Please Contact :
E-mail: sdlawcollege@gmail.com
Website : www.ssdlcrewari.com
Mob. No. : 9896422124, 9416340912, 9416435522, 9416273041

APPLICATIONS INVITED FOR THE FOLLOWING POSTS ON REGULAR BASIS PRINCIPAL & TEACHING STAFF
PRINCIPAL : 01, Professor: MBA - 01 & BBA - 01
ASSOCIATE PROFESSOR: MBA - 02
(1 Each from Marketing & Finance) and BBA - 01
ASSISTANT PROFESSOR: MBA - 04
(1 Each from HR, Finance, Marketing & IB) and BBA - 03
NON TEACHING STAFF: Librarian - 01, Clerk - 01,
Accountant - 01, Peon - 01, Sweeper - 02, Mali - 01, Guard - 01
Qualification Pay scale / Experience as per AICTE/UGC/IGU, Meerpur norms. Qualification for BBA Faculty is NET/Ph.d
Interested candidates may apply within 21 days from the date of publication of advertisement along with copy of all testimonials through registered post by hand at the above address. A copy of application form must be sent to DCDC, IGU, Meerpur, Rewari, Post can be increased/decreased at the time of interview as per :
Contact No. 9416891001, Email: sdmcollege09@gmail.com
Mrs. Shakuntla Yadav (Chairperson) Smt. Shanti Devi Educational Trust, Saharanwas, Rewari

डिजिटल ठग कर सकते हैं कंगाल, रहें सावधान

टेलीग्राम और इंस्टाग्राम चैनल्स पर बताए गए टिप्स से बचके रहें

●

ये करवा सकते हैं बड़े नुकसान, अपनी समझ से करें निवेश

● शेयर मार्केट में पैसा लगाने से पहले एक बार जरूर विचार करें ● एनएसई ने भी इंस्टाग्राम व टेलीग्राम के हैंडल्स से किया सतर्क ● निवेशक डब्बा और इलीगल ट्रेडिंग से भी सावधान रहें

अलर्ट

विनोद कौशिक

अगर आप भी शेयर बाजार में निवेश कर रहे हैं या करने जा रहे हैं तो कुछ बातें पल्ले बांध लें, वरना भारी नुकसान हो सकता है। सबसे जरूरी तो निवेश करने से पहले अपने लक्ष्य तय कर लें और सधी शुरूआत करें। निवेश करने के लिए पहले बाजार के बारे में जान लें, किताबें पढ़ें, अखबार पढ़ें या बाजार के जानकारों से सलाह भी ले सकते हैं, लेकिन निवेश अपनी समझदानी से ही करें। निवेश के लिए डिजिटल मचों के झांसे में न आएं, ये आपको कंगाल कर सकते हैं। खासकर इंस्टाग्राम, फेसबुक और टेलीग्राम चैनल्स के टिप्स लेकर निवेश करने से बचें। ये मंच आपको बड़ा चूना लगवा सकते हैं। इसलिए ध्यान रखें और खुद रिसर्च करने के बाद ही बाजार में उतरें। दरअसल, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज यानी एनएसई ने भी निवेशकों को उस इंस्टाग्राम और टेलीग्राम चैनल के प्रति आगाह किया है जो निवेश से संबंधित टिप्स देने का दावा करते है। एक्सचेंज ने निवेशकों को डब्बा/इलीगल ट्रेडिंग के माध्यम से ट्रेडिंग सर्विसेज प्रदान करने वाली एंटिटी के खिलाफ भी चेतावनी दी।

एनएसई की चेतावनी

एनएसई ने 'बीएसई_एनएसई_लेटेस्ट' नाम के इंस्टाग्राम हैंडल और टेलीग्राम चैनल 'भारत ट्रेडिंग यात्रा' के खिलाफ चेताया है। जो ट्रेडिंग के लिए सिक्योरिटीज मार्केट टिप्स प्रदान कर रहे हैं और निवेशकों के ट्रेडिंग अकाउंट्स को हैंडल करने की पेशकश कर रहे हैं। निफ्टी ने अवैध ट्रेडिंग के लिए इस्तेमाल होने वाले नंबर भी शेयर किए हैं।

एक अन्य रिलीज में यह कहा

एक रिलीज में एक्सचेंज ने 'बेयर एंड बुल प्लेटफॉर्म' और 'ईजी ट्रेड' से जुड़े आदित्य नाम के शख्स का जिक्र किया जो डब्बा/इलीगल ट्रेडिंग सर्विसेज मुहैया कराता है। एक्सचेंज ने इसके दो मोबाइल नंबर-8485855849 और 9624495573 भी पब्लिक किए हैं। एनएसई का कहना है कि यह शख्स एनएसई के किसी रजिस्टर्ड मेंबर के ऑथराइज्ड मेंबर या खुद किसी मेंबर के रूप में रजिस्टर्ड नहीं है।

रियल एस्टेट निवेश

रियल एस्टेट से जुड़े निवेश के जरिए जल्दी पैसे कमाने का वादा निवेशकों को लुभाता रहता है। रियल एस्टेट निवेश घोटाले निवेशकों के लिए हमेशा से एक जाल रहे हैं। राज्य प्रतिभूति विनियामक निवेशकों को रियल एस्टेट निवेश सेमिनारों के बारे में सावधान करते हैं, खासकर उन सेमिनारों के बारे में जिन्हें स्टॉक, बॉन्ड और म्यूचुअल फंड से जुड़ी अधिक पारंपरिक सेवानिवृत्ति योजना रणनीतियों के विकल्प के रूप में आक्रामक रूप से विपणन किया जाता है। इन सेमिनारों में उपस्थित लोगों को ऐसे लोगों के प्रशंसापत्र सुनने को मिल सकते हैं जो दावा करते हैं कि उन्होंने रियल एस्टेट में साधारण निवेश के माध्यम से अपनी आय दोगुनी या तिगुनी कर ली है, लेकिन ये दावे हवा-हवाई हो सकते हैं। सबसे लोकप्रिय निवेश पिचों में से दो तथाकथित हार्ड-मनी लेंडिंग और प्रॉपर्टी फ्लिपिंग शामिल हैं।

भारतीय शेयर बाजार दुनिया में चौथे नंबर पर

बता दें कि भारत ने हांगकांग से चौथे सबसे बड़े ग्लोबल इक्विटी बाजार का टैग वापस ले लिया है। देश का मार्केट कैप बढ़कर 5.21 ट्रिलियन डॉलर पर पहुंच गया। हांगकांग शेयर बाजार का मार्केट कैप 5.17 ट्रिलियन डॉलर है। इस तरह भारत दुनिया को चौथा सबसे बड़ा शेयर बाजार बन गया है।

क्रिप्टोकरेंसी निवेश

2017 में क्रिप्टोकरेंसी निवेश की मुख्यधारा में आ गई, क्योंकि बिटकॉइन के नेतृत्व में कुछ आभासी सिक्कों और टोकन के मूल्य आसमान छू गए। इसके तुरंत बाद, समाचारों में नई क्रिप्टोकरेंसी, कॉइन एक्सचेंज और संबंधित निवेश उत्पादों की कवरेज दिखाई दी। क्रिप्टो करोड़पतियों की कहानियों ने कुछ निवेशकों को क्रिप्टोकरेंसी या क्रिप्टो-संबंधित निवेशों में निवेश करने के लिए आकर्षित किया। लेकिन बड़ी बाजी लगाने और हारने वालों की कहानियां भी सामने आने लगीं और लगातार सामने आ रही हैं। क्रिप्टो क्रेज में कूदने से पहले, ध्यान रखें कि क्रिप्टोकरेंसी और संबंधित वित्तीय उत्पाद पोंजी योजनाओं और अन्य धोखाधड़ी के लिए सार्वजनिक रूप से सामने आने वाले मुखौटे से ज़्यादा कुछ नहीं हो सकते हैं। क्योंकि ये उत्पाद मौजूदा संघीय/राज्य नियामक ढांचे में ठीक से नहीं आते हैं, इसलिए इन उत्पादों के प्रमोटरों के लिए आपको ठगना आसान हो सकता है। तदनुसार, क्रिप्टोकरेंसी और संबंधित वित्तीय उत्पादों में निवेश को इस रूप में देखा जाना चाहिए। नुकसान के उच्च जोखिम के साथ अत्यधिक जोखिम भरा सट्टा।

निवेश धोखाधड़ी के प्रकार

उच्च ब्याज दरों का वादा

अक्सर देखने में आता है कि कम ब्याज दरों के माहौल में, उच्च ब्याज वाले वचन-पत्रों का वादा निवेशकों को लुभा सकता है, विशेष रूप से वरिष्ठ नागरिकों और निश्चित आय पर जीवन-यापन करने वाले अन्य लोगों को। वचन पत्र भविष्य में किसी निश्चित समय पर या मांग पर एक निश्चित राशि का भुगतान (या पुनर्भुगतान) करने का लिखित वादा है। वचन पत्र आम तौर पर नोट की परिपक्वता से पहले या परिपक्वता के समय समय-समय पर ब्याज देते हैं। कंपनियां पूंजी जुटाने के लिए वचन पत्र बेच सकती हैं, और आमतौर पर उन्हें केवल परिष्कृत या संस्थागत निवेशकों को ही देती हैं। लेकिन सभी वचन पत्र इस तरह से नहीं बेचे जाते हैं। इसलिए ऐसे वचन पत्रों से सावधान रहने की जरूरत है।

पोन्ज़ी योजनाएं

पोन्जी योजना (जिसका नाम 1920 के ठग चार्ल्स पोन्जी के नाम पर रखा गया) एक चाल है, जिसमें पहले के निवेशकों को बाद के निवेशकों द्वारा जमा किए गए धन के माध्यम से भुगतान किया जाता है। चार्ल्स पोन्जी ने अंतर्राष्ट्रीय डाक उत्तर कूपन पर आर्बिट्रेज लाभ से 40 प्रतिशत रिटर्न का वादा करके निवेशकों से 10 मिलियन डॉलर ठगे थे। पोंजी स्कीम में, अंतर्निहित निवेश दावे आमतौर पर पूरी तरह से काल्पनिक होते हैंऔर बहुत कम, यदि कोई हो, तो वास्तविक भौतिक संपत्ति या निवेश आम तौर पर मौजूद होते हैं। जैसे-जैसे कुल निवेशकों की संख्या बढ़ती है और संभावित नए निवेशकों की आपूर्ति घटती जाती है, वादा किए गए रिटर्न का भुगतान करने और उन निवेशकों को कवर करने के लिए पर्याप्त धन नहीं होता है जो नकद निकालने की कोशिश करते हैं। पोंजी बुलबुला तब फटेगा जब ठग निवेशकों को अपेक्षित भुगतान नहीं दे पाएगा। जब योजना ध्वस्त हो जाती है (जैसा कि हमेशा होता है), तो निवेशक धोखाधड़ी में अपना पूरा निवेश खो सकते हैं। कई मामलों में, अपराधी ने निवेश की गई राशि को निजी खर्चों पर खर्च कर दिया होगा, जिससे फंड खत्म हो जाएगा और बुलबुला फटने की संभावना बढ़ जाएगी।

पिरामिड योजनाएं

ये भी धोखाधड़ी वाली मल्टी-लेवल मार्केटिंग रणनीति है, जिसके तहत निवेशक अधिक से अधिक अन्य निवेशकों को भर्ती करके संभावित रिटर्न कमाते हैं। मल्टी-लेवल मार्केटिंग रणनीतियां आंतरिक रूप से धोखाधड़ी वाली नहीं हैं, और कई वैध मल्टी-लेवल मार्केटिंग कंपनियां हैं जो विभिन्न उपभोक्ता उत्पाद और सेवाएं प्रदान करती हैं। जो चीज बहु-स्तरीय विपणन रणनीति को धोखाधड़ी वाली पिरामिड योजना बनाती हैं, वह है वास्तविक अंतर्निहित निवेश उद्यम या उत्पाद का अभाव, जिसके आधार पर रणनीति को कायम रखने की उम्मीद की जा सके।

रिटर्न देने में ईएलएसएस फंड भी पीछे नहीं, बचाते हैं टैक्स

निवेशकों की कमाई करवाने में ईएलएसएस फंड भी पीछे नहीं है। ये फंड बढ़िया रिटर्न देने के साथ-साथ टैक्स बचाने के लिए भी जाने जाते हैं। निवेशकों में ये फंड भी काफी लोकप्रिय माने जाते हैं। पिछले 10 सालों में चार ईएलएसएस फंडों ने 30,000 रुपये की मासिक एसआईपी निवेश को 1 करोड़ रुपये में बदल दिया है। टैक्स-सेविंग या ईएलएसएस स्कीमों में निवेश की सलाह उन निवेशकों को दी जाती है जो आयकर अधिनियम की धारा 80सी के तहत टैक्स बचाना चाहते हैं। ईएलएसएस फंड में तीन साल की लॉक-इन अवधि होती है।

निवेश मंत्रा

बिजनेस डेस्क

महंगाई के इस दौर में हर कोई कमाई के चक्कर में रहता है। कोई बाजार में निवेश करके कमाता है तो कोई मेहनत मजदूरी करके कमाई करता है। हर कोई कोई अपने सुनहरे भविष्य के लिए निवेश भी करता है। बाजार में निवेश करने के ढेरों तरीके हैं। सबके अपने-अपने लाभ और नुकसान हैं। कुछ लोग तो टैक्स बचाने के लिए भी निवेश करते हैं। म्यूचुअल फंडों की बात करें तो ईएलएसएस फंड टैक्स बचाने और बढ़िया रिटर्न पाने का बेहतरीन तरीका हो सकते हैं। निवेशकों की कमाई करवाने में ईएलएसएस फंड भी पीछे नहीं है। ये फंड बढ़िया रिटर्न देने के साथ-साथ टैक्स बचाने के लिए भी जाने जाते हैं। निवेशकों में ये फंड भी काफी लोकप्रिय माने जाते हैं। पिछले 10 सालों में ईएलएसएस या टैक्स-सेविंग म्यूचुअल फंडों का रिटर्न काफी अच्छा रहा है। करीब चार टैक्स-सेविंग म्यूचुअल फंड स्कीमों ने हर महीने 30,000 रुपये के एसआईपी निवेश को इस अवधि में 1 करोड़ रुपये में बदल दिया है। आंकड़ों के अनुसार इस दौरान लगभग 26 ईएलएसएस या टैक्स-सेविंग म्यूचुअल फंड मार्केट में हैं। टैक्स सेविंग या ईएलएसएस स्कीमों की सलाह उन निवेशकों को दी जाती है कि जो आयकर अधिनियम की धारा 80 सी के तहत टैक्स बचाना चाहते हैं। निवेशक इन स्कीमों में अधिकतम 1.5 लाख रुपये की टैक्स कटौती क्लेम कर सकते हैं। ईएलएसएस फंड तीन साल की लॉक-इन अवधि के साथ आते हैं। इसलिए से अच्छा रिटर्न दे जाते हैं।

●

कई निवेशकों को सिर्फ 10 साल में बना दिया करोड़पति

●

चार टैक्स सेविंग म्यूचुअल फंड स्कीमें कर रही मालामाल

●

ईएलएसएस फंड में तीन साल की लॉक-इन अवधि होती

●

30,000 की मासिक एसआईपी निवेश को 1 करोड़ में बदला

अन्य स्कीमों का रटिर्न

⏭प्रबंधित संपत्ति के आधार पर सबसे बड़ी टैक्स-सेविंग स्कीम एक्सिस ईएलएसएस टैक्स सेवर फंड ने इस अवधि में 30,000 करोड़ रुपये के मासिक एसआईपी को 75.43 लाख रुपये में बदल दिया। इसने 14.27 फीसदी का एक्सआईआरआर दिया।

⏭ईएलएसएस या टैक्स-सेविंग फंडों ने पिछले 10 सालों में 30,000 रुपये के मासिक निवेश को 69.34 लाख रुपये से 96.60 लाख रुपये के बीच बदला। इन स्कीमों ने 12.69% से 18.90% के बीच एक्सआईआरआर की पेशकश की।

एलएसएस फंड क्या हैं

ईएलएसएस फंड इक्विटी फंड हैं जो अपने कोष का एक बड़ा हिस्सा इक्विटी या इक्विटी से संबंधित उपकरणों में निवेश करते हैं। ईएलएसएस फंड को टैक्स सेविंग स्कीम भी कहा जाता है, क्योंकि वे आयकर अधिनियम की धारा 80 सी के तहत आपकी वार्षिक कर योग्य आय से 150,000 रुपये तक की कर छूट प्रदान करते हैं। जैसा कि नाम से पता चलता है, ईएलएसएसफंड एक इक्विटी-उन्मुख योजना है जिसमें तीन साल की अनिवार्य लॉक-इन अवधि होती है। हाल के वर्षों में, कई करदाताओं ने कर लाभ प्राप्त करने के लिए ईएलएसएसयोजनाओं की ओर रुख किया है। यदि आप ईएलएसएसयोजनाओं में निवेश करते हैं, तो आप 150,000 रुपये की सीमा तक निवेश की गई राशि पर कर छूट का लाभ उठा सकते हैं। इसके अलावा, तीन साल की अवधि के अंत में इस योजना के तहत आपको जो आय होगी, उसे लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन (एलटीसीजी) माना जाएगा और उस पर 10% कर लगेगा (यदि आय 1 लाख रुपये से अधिक है)।

स्कीमों ने बनाया करोड़पति

⏭तेजी से करोड़पति बनाने वालों में क्वांट ईएलएसएस टैक्स सेवर फंड कैटेगरी में सबसे ऊपर रहा है। इसने पिछले 10 सालों में हर महीने 30,000 रुपये के एसआईपी निवेश को 1.45 करोड़ रुपये में बदल दिया। इसी अवधि में इस स्कीम ने 26.58% का एक्सआईआरआर दिया।

⏭बैंक ऑफ इंडिया ईएलएसएस टैक्स सेवर फंड ने पिछले 10 सालों में हर महीने 30,000 रुपये के एसआईपी निवेश को 1.10 करोड़ रुपये में बदल दिया। इसने 21.46 फीसदी का एक्सआईआरआर दिया।

⏭सबसे पुराने ईएलएसएस या टैक्स सेविंग फंड एसबीआई लॉन्ग टर्म इक्विटी फंड ने इस दौरान 30,000 रुपये के मासिक एसआईपी को 1.01 करोड़ रुपये में बदल दिया। इसका एक्सआईआरआर 19.75% रहा।

⏭जेएम ईएलएसएस टैक्स सेवर फंड ने पिछले 10 सालों में 30,000 रुपये के मासिक एसआईपी निवेश को 1 करोड़ रुपये में बदल दिया। एक्सआईआरआर 19.60% रहा।

निवेश के दौरान प्रतिभूति बाज़ार की अस्थिरता का प्रभाव कैसे कम करें

अस्थिरता कम करने का सबसे प्रभावशाली उपाय है विविधीकरण। विविधीकरण अर्थात अपने निवेश को विभिन्न संपत्ति वर्गों, जैसे स्टॉक्स, बॉन्ड, रियल एस्टेट और कमोडिटी आदि के बीच बांट देना। इससे आप बिना प्रभावित हुए अच्छा मुनाफा कमा सकते हैं।

जानकारी

प्रतीक ओसवाल

प्रतिभूति बाज़ार (स्टॉक मार्केट) में निवेश रोमांचक और भयभीत करने वाला हो सकता है, खासतौर पर नए निवेशकों के लिए। नए निवेशकों के लिए सबसे अधिक चिंता का विषय होता है बाज़ार की अस्थिरता, जो बाज़ार भावों में उतार चढ़ावकी आवृत्ति और सीमा को दर्शाते हैं। दीर्घावधि निवेश में सफलता प्राप्त करने के लिए यह समझना बहुत महत्वपूर्ण है कि बाज़ार भावों की अस्थिरता का प्रभाव कैसे कम किया जाए और उसे कैसे प्रबंधित किया जाए। आइए, हम चर्चा करते हैं कि कैसे एक निवेशक बाज़ार के उतार चढ़ावों सेअधिक प्रभावित हुए बिना आत्मविश्वासपूर्वक निवेश कर सकता है। अस्थिरता निवेश बाज़ार से संबंधी एक शब्द है जो बाज़ार भावों के अप्रत्याशित और तेज उतार चढ़ावों के समय को परिभाषित करता है। अधिकतर, इसे प्रतिफल के मानक विचलन और अस्थाई गिरावट से मापा जाता है। आमतौर पर उन निवेशकों के लिए जो दीर्घअवधि निवेशपर केंद्रित होते हैं, भावों का दैनिक विचलन इतनामायने नहीं रखता, किन्तु 15-20%+ की गिरावट, जो हर कुछ सालों में होती है, उनके डर का सबसे बड़ा कारण है। आइए समझें कि इससे कैसे निपटा जा सकता है।

विविधीकरण

अस्थिरता कम करने का सबसे प्रभावशाली उपाय है विविधीकरण। विविधीकरण अर्थात अपने निवेश को विभिन्न संपत्ति वर्गों, जैसे स्टॉक्स, बॉन्ड, रियल एस्टेट, और कमोडिटी आदि के बीच बाँट देना। यह रणनीति जोखिम को कम कर सकती है,क्योंकि अलग अलग एसेट वर्ग कई बार समान परिस्थिति में अलग प्रदर्शन करते हैं। म्यूचुअल फंड एक ही स्टॉक में निवेश के जोखिम को कम करते हैं, और संपत्ति का आवंटन संपत्ति वर्ग के जोखिम को। परंतु दोनों के माध्यम से, निवेशक अस्थिरता के प्रभाव को व्यापक तौर पर कम कर सकते हैं। इसके दूसरे तरीकों में शामिल हैं।

हाइब्रिड फंड: यह फंड ऋण और इक्विटी निवेशों का मिश्रण होते हैं। ऋण का इक्विटी के साथ मिश्रण हाइब्रिड (मिश्रित) फंडों को वृद्धि और स्थिरता संतुलित करने में सक्षम बनाता है। ऐतिहासिक रूप से,हाइब्रिड रणनीतियों ने तुलनात्मक रूप से अस्थिरता को प्रभावी रूप से कम करते हुए स्थिर प्रतिफल प्रदान किये हैं।

मल्टी-एसेट पोर्टफोलियो : हायब्रिड फंडों से भी एक कदम आगे, मल्टी-एसेट पोट्फोलीओ इक्विटी, अंतर्राष्ट्रीय इक्विटी, ऋण और सोने (गोल्ड) के मिश्रण से बने होते हैं। यह रणनीति विभिन्न ऐसेट वर्गों के बीच निम्न सहसंबद्धता बनाती है, जिससे एक ऐसा मजबूत पोट्फोलीओ बनता है, जो कम अस्थिरता के साथ इक्विटी निवेश के समान प्रतिफल देने में सक्षम होता है। ऊपर दी गई दोनों रणनीतियाँ कम जोखिम के साथ दीर्घ-अवधि में प्रतिफल देती हैं।

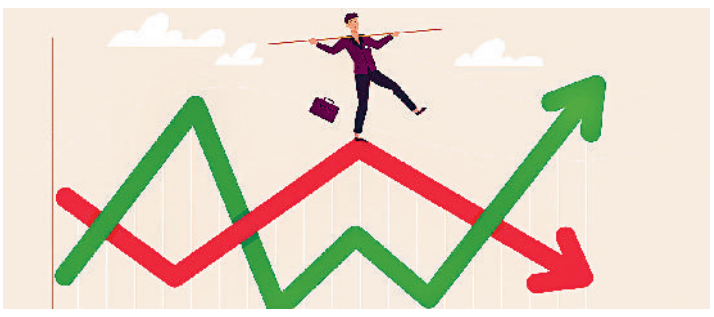

लो वोलेटिलिटी फैक्टर फंड

अस्थिरता कम करने के लिए एक अन्य रणनीति है, निम्न-अस्थिरता वाले लो-वोलेटिलिटी फैक्टर फंडों में निवेश करना। हाइब्रिड और मल्टी-एसेट फंडों, जिनमें निवेशकों को कम जोखिम के बदले प्रतिफल से समझौता करने की जरूरत पड़ सकती है, की तुलना में लो-वॉलेटिलिटी फंड कम अस्थिरता के साथ इक्विटी फंडों के समान प्रतिफल देने का लक्ष्य रखते हैं। यह फंड ऐसे स्टॉक्स पर केंद्रित होते हैं जिनमें व्यापक बाजार के मुकाबले भावों का उतार चढ़ाव कम होता है, जिससे निवेश सुचारू रूप से होता है। लो- वॉलेटीलिटी इंडेक्स फंड: यह फंड उनकी पिछले समय की अस्थिरता के आधार पर स्टॉकों का चयन करते हैं, जिनका उद्देश्य ऐसा पोट्फोलीओ बनाना होता है, जिसमें भावों का तेज उतार चढ़ाव कम होता हो। लो-वॉलेटिलिटी फंडों ने पारंपरिक इक्विटी फंडों के समान प्रतिफल देने की संभावना दिखाई है और इनमें जोखिम भीकम होता है। यह उन रूढ़िवादी निवेशकों के लिए आकर्षक फंड होते हैं, जो इक्विटी के समान प्रतिफल प्राप्त करना चाहते हैं।

निवेश दायरा बढ़ाना

जितने समय के लिए आप निवेश रोकते हैं, वह आप पर अस्थिरता के प्रभाव को प्रभावित करता है। लघु अवधि निवेश बाजार के उतार चढ़ाव के प्रति अधिक संवेदनशील होते हैं, जबकि दीर्घ अवधि के लिए किए गए निवेश से इन उतार चढ़ावों का प्रभाव कम हो जाता है, जिससे व्यापक रूप से जोखिम कम होता है।

निवेश दायरा: शोधों से पता चलता है कि प्रतिफल की अस्थिरता लंबी निवेश अवधि के साथ कम होती जाती है। उदाहरण के लिए, 1-6 वर्षों की शुरुआती अवधि के लिए प्रतिफल की अस्थिरता महत्वपूर्ण रूप से उच्च होती है परंतु यह 6 से 7 वर्षों के बाद महत्वपूर्ण रूप से कम भी हो जाती है। यहाँ तक कि उच्च रूप से अस्थिर माइक्रो कैप स्टॉक्स भी निवेश अवधि बढ़ाने पर कम प्रतिफल अस्थिरता दर्शाते हैं।

एसआईपी में निवेश: बाज़ार परिस्थितियों पर ध्यान न देते हुए नियमित रूप से निवेश भी अस्थिरता के प्रभाव को कम कर सकता है। यह योजनाएं भाव कम होने पर अधिक शेयर खरीदने और भाव बढ़ने पर कम शेयर खरीदने की स्वतंत्रता देती हैं, जिससे कि समय के साथ साथ खरीद की लागत औसत होती जाती है।

बाज़ार रुझानों पर कम ध्यान देना

बाज़ार के लघु अवधि के रुझानों पर ध्यान देने से अस्थिरता का प्रभाव व नुकसान, दोनों की मात्रा अधिक हो सकती है। इसके स्थान पर, एक दीर्घ-अवधि निवेश रणनीति पर ध्यान दें और बाज़ार के उतार-चढ़ाव से प्रभावित होकर आवेगपूर्ण निर्णय लेने से बचें।

मार्केट टाइमिंग जोखिम: शोध से पता चलता है कि ऐसेट आवंटन निर्णय मार्केट टाइमिंग या व्यक्तिगत सिक्युरिटी चयन की तुलना में दीर्घ अवधि निवेश प्रदर्शनों को अधिक प्रभावित करते हैं। इसलिए, अच्छी सोची समझी एसेट आवंटन रणनीति मार्केट टाइमिंग के अनुसार निर्णय लेने के मुकाबले बेहतर परिणाम दे सकती है।

सामयिक पोर्टफोलियो समीक्षा

नियमित रूप से पोट्फोलीओ की समीक्षा अनिवार्य है, परंतु अपने निवेशों की समीक्षा बार बार करने से बचना भी महत्वपूर्ण है। अधिक बारसमीक्षा करने से भावनात्मक निर्णय लेने की संभावना बढ़ जाती है और अस्थिरता से प्रभावित होने की भी।

समीक्षा आवर्तन: आवधिक समीक्षा, जैसे त्रैमासिक या अर्द्धवार्षिक, की सलाह दी जाती है। यह तरीका दीर्घ अवधि लक्ष्य पर केंद्रित रहने के लिए मदद करता है और लघु अवधि उतार चढ़ाव के कारण होने वाली चिंता कम कम करता है।

निष्कर्ष: स्टॉक बाज़ार में अस्थिरता का प्रभाव कम करने की रणनीतियों में जानकारी युक्त निर्णय लेना, निवेश का विविधीकरण, निवेश दायरा बढ़ाना, बाज़ार रुझानों पर ध्यान न देना, पोर्टफोलियो की सामयिक समीक्षा और लो-वॉलेटिलिटी फैक्टर फंडों पर ध्यान देना शामिल है। इन रणनीतियों को अपनाकर, बाज़ार में निवेश कर सकते हैं।

(लेखक पैसिव फंड व्यवसाय, मोतीलाल ओसवाल एएमसी के प्रमुख हैं)

कई म्यूचुअल फंड स्कीमों ने निवेशक कर दिए मालामाल

23 स्कीमों में एक साल में मिला 60 फीसदी से ज्यादा रिटर्न
क्वांट वैल्यू फंड 75.85% रिटर्न के साथ पहले स्थान पर रहा
क्वांट मिड कैप फंड 74.72% रिटर्न के साथ दूसरे स्थान पर

सुझाव

बिजनेस डेस्क

इस साल म्यूचुअल फंड की स्कीमों ने निवेशकों को मालामाल कर दिया। इन स्कीमों ने 60 फीसदी से अधिक रिटर्न दिया है। एक रिपोर्ट के मुताबिक पिछले एक साल में इक्विटी म्यूचुअल फंड की 23 स्कीमों ने 60 फीसदी से ज्यादा रिटर्न दिया है। रिपोर्ट में किए गए विश्लेषण में 249 इक्विटी म्यूचुअल फंडों को शामिल किया गया था, जिन्होंने बाजार में एक साल पूरा कर लिया है। सबसे ज्यादा रिटर्न देने वाले दो फंड क्वांट म्यूचुअल फंड के थे। इसमें क्वांट वैल्यू फंड सबसे ऊपर रहा, जिसने पिछले एक साल में 75.85 फीसदी रिटर्न दिया। इसी अवधि में क्वांट मिड कैप फंड ने 74.72 फीसदी रिटर्न दिया। आईटीआई मिड कैप फंड ने पिछले एक साल में 72.53 फीसदी रिटर्न दिया। बंधन स्मॉल कैप फंड और जेएम मिडकैप फंड ने इसी अवधि में 71.45 फीसदी और 70 फीसदी रिटर्न दिया। क्वांट स्मॉल कैप फंड और महिंद्रा मनुलाइफ स्मॉल कैप फंड ने एक साल में 66.42% और 66.04% रिटर्न दिया। जेएम म्यूचुअल फंड की दो स्कीमों-जेएम फ्लेक्सीकैप फंड और जेएम वैल्यू फंड ने पिछले एक साल में 64.40% और 64.23% रिटर्न दिया। फ्रैंकलिन इंडिया स्मॉलर कंपनीज फंड ने इसी अवधि में 60.98% रिटर्न दिया। मोतीलाल ओसवाल मिडकैप फंड और एचएसबीसी मल्टी कैप फंड से इसी अवधि में 60.89% और 60.79% रिटर्न मिला। ध्यान देने वाली बात यह है कि किसी भी इक्विटी म्यूचुअल फंड कैटेगरी की सबसे बड़ी स्कीमों ने पिछले एक साल में 60% से ज्यादा रिटर्न नहीं दिया है।

पांच क्वांट म्यूचुअल फंड

बेहतर रिटर्न देने वाली इन 23 स्कीमों में से पांच क्वांट म्यूचुअल फंड और तीन-तीन जेएम म्यूचुअल फंड और एचएसबीसी म्यूचुअल फंड की हैं। दो-दो महिंद्रा मनुलाइफ म्यूचुअल फंड और आईटीआई म्यूचुअल फंड से हैं। एक-एक स्कीम बंधन म्यूचुअल फंड, बैंक ऑफ इंडिया म्यूचुअल फंड, फ्रैंकलिन टेम्पलटन म्यूचुअल फंड, आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल म्यूचुअल फंड, इन्वेस्को म्यूचुअल फंड, कोटक म्यूचुअल फंड, मोतीलाल ओसवाल म्यूचुअल फंड, निप्पॉन इंडिया म्यूचुअल फंड से हैं।

बाकी का कैसा प्रदर्शन

बाकी 226 इक्विटी म्यूचुअल फंडों ने पिछले एक साल में 18.86% और 59.90% के बीच रिटर्न दिया। एचडीएफसी मिड-कैप अपॉर्चुनिटीज फंड ने इसी अवधि में 55.10% रिटर्न दिया। यह प्रबंधित संपत्ति के आधार पर सबसे बड़ा मिड कैप फंड है। प्रबंधित संपत्ति के आधार पर सबसे बड़े ईएलएसएस फंड एक्सिस ईएलएसएस टैक्स सेवर फंड ने पिछले एक साल में 29.48% रिटर्न दिया। पराग पारिख फ्लेक्सी कैप फंड ने इसी अवधि में 36.83% रिटर्न दिया। यह प्रबंधित संपत्ति के आधार पर सबसे बड़ा फ्लेक्सी कैप फंड है।

सभी कटेगरी शामिल दे रही बढ़िया मुनाफा

विश्लेषण में सभी इक्विटी म्यूचुअल फंड कैटेगरी जैसे लार्ज कैप, फ्लेक्सी कैप, मिड कैप, लार्ज एंड मिड कैप, स्मॉल कैप, फोकस्ड फंड, ईएलएसएस, मल्टी कैप, वैल्यू और कॉन्ट्रा फंड शामिल किए गए थे। हालांकि यह ध्यान रखें की विश्लेषण के आधार पर निवेश या निकासी के फैसले नहीं लेने चाहिएं। निवेश का कोई भी फैसला लेने से पहले हमेशा अपनी जोखिम उठाने की क्षमता, निवेश की अवधि और लक्ष्य पर विचार करना चाहिए। इसके बाद ही निवेश के क्षेत्र में कदम रखना चाहिए। हर साल में अलग-अलग म्यूचुअल फंड का प्रदर्शन अलग-अलग हो सकता है। इसलिए निवेश करने से पहले बाजार के बारे में जानकारी जुटा लें। इससे आपको निवेश करने में आसानी रहेगी और रिस्क भी खत्म होगा। हालांकि म्यूचुअल फंड में लंबे समय तक निवेश करना लाभकारी माना गया है। इसलिए म्यूचुअल फंड में निवेश करते समय आरगेट लंबा रखें, तभी अच्छा मुनाफा मिल सकेगा।

इन स्कीमों का दमदार प्रदर्शन

स्कीम	रिटर्न (%)
क्वांट वैल्यू फंड	75.85
क्वांट मिड कैप फंड	74.72
आईटीआई मिड कैप फंड	72.53
बंधन स्मॉल कैप फंड	71.45
जेएम मिडकैप फंड	70.00
क्वांट लार्ज एंड मिड कैप	68.10
बैंक ऑफ इंडिया फ्लेक्सी कैप	67.21
आईटीआई स्मॉल कैप फंड	67.02
क्वांट स्मॉल कैप फंड	66.42
महिंद्रा मैनुलाइफ स्मॉल कैप फंड	66.04
इनवेस्को इंडिया फोकस्ड फंड	65.02
जेएम फ्लेक्सीकैप फंड	64.40
जेएम वैल्यू फंड	64.23
एचएसबीसी मिडकैप फंड	64.21
आईसीआईसीआई प्रू मिडकैप फंड	62.74
महिंद्रा मैनुलाइफ मिड कैप फंड	62.48
क्वांट फ्लेक्सी कैप फंड	61.57
एचएसबीसी वैल्यू फंड	61.20
निप्पॉन इंडिया ग्रोथ फंड	61.07
कोटक मल्टीकैप फंड	60.98
फ्रैंकलिन इंडिया स्मॉलर कॉस फंड	60.98
मोतीलाल ओसवाल मिडकैप फंड	60.89
एचएसबीसी मल्टी कैप फंड	60.79

खबर संक्षेप

भागवत कथा में जरासंघ वध का प्रसंग सुनाया

धारूहेड़ा। धारूहेड़ा के प्राचीन जोहड़ पर चल रही श्रीमद् भागवत कथा के पांचवें दिन कथा व्यास दिनेश शास्त्री ने राजा जरासंघ व भगवान श्रीकृष्ण के युद्ध का वर्णन सुनाया। महाराज ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण ने 17 बार जरासंघ को हराया था। 18वीं बार युद्ध करने के लिए जरासंघ ने मथुरा पहुंचने से पहले एक हजार पंडितों को जीत दिलाने के लिए जप तप पर बैठा दिया और कहा कि यदि में हारा तो तुम्हारी मृत्यु निश्चित है। जब यह बात भगवान श्री कृष्ण को पता चली तो उन्होंने बड़े भाई बलराम से कहा कि हजार पंडितों का सिर कलम होने से पहले हम युद्ध से भाग चलेंगे। ऐसा करने पर पंडितों के साथ कोई अप्रिय घटनाएं नहीं घटेगी और उन्होंने ऐसा ही किया। दिनेश शास्त्री कहा कि जब से भगवान श्री कृष्ण को रणछोड़ कृष्ण कहा जाता है, परंतु उनकी लीलाएं अपरमपार थी।

संत कबीरदास को जंयती पर किया नमन

रेवाड़ी। माता रमाबाई सामाजिक उत्थान संस्था आजाद नगर में शनिवार को सद्गुरु संत कबीरदास की 627वीं जयंती मनाई गई। कार्यक्रम का आयोजन संस्था प्रधान बीआर पंवार की अध्यक्षता में किया गया। संस्था के सदस्यों ने सर्वप्रथम संत कबीर के चित्र के समक्ष पुष्प अर्पित किए। इस अवसर पर संस्था कोषाध्यक्ष नारायण सिंह तंवर ने कहा कि संत कबीरदास निगुर्णी भगवान को मानते थे तथा उनकी रचनाओं ने हिंदी प्रदेश के भक्ति आंदोलन को काफी हद तक प्रभावित किया। सामाजिक कुरीतियां खत्म करने में उन्होंने अपना पूरा जीवन मानव सेवा में व्यतीत किया। उनके मार्ग के अनुसरण का उल्लेख हिंदु, सिख तथा मुस्लिमों ने अपने-अपने ग्रथों में किया है।

जनता बना चुकी परिवर्तन का मनः अनिल पाल्हावास

कोसली। कांग्रेस के प्रदेश प्रवक्ता अनिल पाल्हावास ने कहा कि

लोकसभा चुनावों में भाजपा को पांच सीटों के नुकसान के साथ झटका दे चुकी प्रदेश की जनता आने वाले विधानसभा चुनावों में सत्ता परिवर्तन का मन बना चुकी है। भाजपा की पोर्टल सरकार से मुक्ति पाने के लिए लोग भूपेंद्र सिंह हुड्डा को एक बार फिर से सीएम पद पर देखना चाहते हैं। कांग्रेसी नेता ने कहा कि दस साल के कार्यकाल में प्रदेश की जनता को गुमराह करने की बजाय सरकार ने धरातल पर ऐसा कोई कार्य नहीं किया, जिसमें विकास की तस्वीर दिखाई दे रही हो।

मुख्यमंत्री शहरी आवास का ऑनलाइन ड्रा कल

रेवाड़ी। एडीसी अनुपमा अंजलि ने बताया कि मुख्यमंत्री शहरी आवास योजना के तहत सोमवार 24 जून

को दोपहर 12 बजे दिल्ली रोड स्थित केएलपी कॉलेज में हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण के प्लेटफार्म पर प्लाट आवंटन के लिए कमेटी के समक्ष ऑनलाइन ड्रा निकाला जाएगा। उन्होंने इस संबंध में एसपी को सुरक्षा प्रबंध कराने के निर्देश दिए है। उन्होंने एस्टेट मैनेजर डीएचएफए एवं सदस्य सचिव को पूरी ऑनलाइन ड्रा प्रक्रिया की वीडियोग्राफी कराने के भी निर्देश दिए है। उन्होंने एक्सईएन डीएचबीवीएन को बिजली सप्लाई के पुख्ता प्रबंध करने के साथ-साथ पावर बैकअप के साथ जनरेटर सेट की व्यवस्था करने के निर्देश दिए है।

धारूहेड़ा में अटे पड़े बरसाती नाले, नपा की सुस्ती पैदा करेगी जलभराव की समस्या

निशानदेही न होने से अटका पड़ा सड़क निर्माण कार्य, नपा ने रोड़ियां डालकर छोड़ी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ धारूहेड़ा

नगरपालिका धारूहेड़ा की ओर से कस्बे के सरकुलर रोड पर बनाई जा रहे सीसी रोड का कार्य निशानदेही न होने से अधर में लटका हुआ है। नगरपालिका की ओर से सड़क बनाने का टेंडर पहले ही किया जा चुका है, लेकिन सड़क पर हरिजन चौपाल से लेकर सरकुलर रोड नंदरामपुर बास तक अवैध कब्जों के कारण कार्य अटका हुआ है। नपा पार्षद व लोगों ने पिछले दिनों नपा अधिकारियों से सड़क की सही ढंग से निशानदेही करके अतिक्रमण हटाने की मांग की थी। सड़क के दोनों ओर पैमाइश कर 33 फीट की निशानदेही की जानी है, लेकिन नगर पालिका की सुस्ती के कारण सड़क निर्माण कार्य शुरू नहीं हो पा रहा है, जबकि सड़क निर्माण के लिए रोड़ियां बिछाई जा चुकी है।

रेवाड़ी। धारूहेड़ा में अधूरा पड़ा सड़क निर्माण कार्य तथा गंदगी से भरे हुए नाले। फोटो : हरिभूमि

बिना निशानदेही बनती आ रही सड़क

नगरपालिका सचिव व चेयरमैन का कहना है कि सड़क की पैमाइश हो चुकी है, लेकिन निशानदेही न होने से लोगों में रोष है। लोगों ने बताया कि राजस्व रिकार्ड के अनुसार सड़क 33 फीट चौड़ी है। लोगों ने सड़क पर जगह-जगह अतिक्रमण किया हुआ है। अतिक्रमण के कारण 33 फीट की सड़क 12 फीट तक रह गई है, नपा की ओर से हर बार बिना निशानदेही के खानापूर्ति करके सड़क बना दी जाती है, लेकिन इा बार अतिक्रमण हटाने के बाद ही सड़क को बनने दिया जाएगा।

धारूहेड़ा में अतिक्रमण से परेशानी

धारूहेड़ा के प्रमुख बाजारों में अतिक्रमण की भरमार है। अतिक्रमण के कारण सड़कें सिकुड़ कर रह गई है, जिससे सड़कों पर जाम की स्थिति पैदा हो रही है। कस्बे के भगत सिंह चौक, जय मार्केट, शमशेर मार्केट, सोहना रोड व नंदरामपुर बास रोड पर पूरी तरह अतिक्रमणकारियों ने कब्जा किया हुआ है। इसके अलावा सड़कों पर ही आड़े-तिरछे तरीके से निजी वाहन खड़े किए जा रहे है। सड़कों पर रेहड़ी लगाने वालों ने भी कब्जा किया हुआ है। नगर पालिका की ओर से अतिक्रमण हटाने की दिशा में कोई कदम नहीं उठाए जा रहे है।

बरसाती सीजन सिर पर कब होगी नालों की सफाई

बरसात का सीजन सिर पर आ चुका है और लोगों का जलभराव का खतरा मंडराने लगा है। आगामी दो सप्ताह बाद कभी भी बारिश शुरू हो सकती है, लेकिन धारूहेड़ा में अभी तक नालों की सफाई तक नहीं शुरू की गई है। धारूहेड़ा के नाले गंदगी से लबालब भरे हुए है। नगर पालिका की सुस्ती प लापरवाही के कारण बरसात आने पर धारूहेड़ा में जलभराव की समस्या पैदा होने वाली है। जलभराव होने से हाइवे तक वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ा है। नालों से लेकर कस्बे के प्रमुख मार्गों पर कचरे के ढेर लगे हैं। मानसून सीजन में नालों की सफाई को लेकर टेंडर की प्रक्रिया करनी होती है, लेकिन नगर पालिका की ओर से अभी तक नालों की सफाई के वर्क ऑर्डर जारी नहीं किए गए है। बारिश के दिनों में नंदरामपुर बास रोड, सोहना रोड, बस स्टैंड व सेक्टर के रोड पर पानी भर जाता है। बरसाती पानी दुकानों और मकानों में पानी घुसने से भारी नुकसान झेलना पड़ता है।

रेवाड़ी। संत कबीरदास को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

संत कबीरदास ने इंसानियत को सर्वोपरि मानाः डाबला

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कुंड

संत शिरोमणि कबीर दास की 627वीं जयंती खोल की धानक चौपाल में संत कबीर सेवा समिति की ओर से धूमधाम से मनाई गई। इस अवसर पर मुख्य अतिथि हरियाणा कांग्रेस के प्रदेश प्रवक्ता ओमप्रकाश डाबला ने कहा कि संत कबीर ने हमेशा इंसानियत को सर्वोपरि समझा। कबीरदास ने उस समय सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ आवाज उठाई, जब समाज सैकड़ों कुरीतियों की बेड़ियों में जकड़ा हुआ था। उनका मानना था कि इंसान जाति, धर्म, वर्ण या वर्ग से नहीं, बल्कि अपने गुणों से बनता है। साधूसिंह ने कहा सभी धर्म, जाति व समुदायों की धारा भले ही अलग-अलग हो, लेकिन सभी का रास्ता मानवता की ओर जाता है। अपने देश में जितने भी ऋषि-मुनि व महापुरुष हुए हैं, उन सभी ने मानवता का पाठ पढ़ाया है। विजय बैरियर ने भी संत कबीर की रचनाओं का वर्णन किया। मंच संचलन डा.रविदत ने किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व सरपंच हरिराम गहलोत ने की। इस अवसर पर सरपंच बीर सरपंच, मदन शर्मा, बिसन सिंह, धर्मबीर, प्रदीप ठेकेदार, बीना, प्रकाश मूसेपुर, धर्मेंद्र, दयाराम मोरवाल जाटूसाना, सुभाष सोलंकी, धर्म सिंह डाबला, पंकज किराड़, मनोज, तुलाराम, राजवीर, गजराज नांधा, सुरेंद्र डाबला व राकेश सहित समिति के सदस्य मौजूद थे।

खरीफ फसलों की एमएसपी में वृद्धि देश के किसानों के साथ मजाकः माया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी के मीडिया पैनलिस्ट विकास माया ने केंद्र की ओर से खरीफ की फसलों में की गई एमएसपी वृद्धि को किसानों के एमएसपी के वायदे के साथ मजाक बताया है। विकास ने 14 फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य में मामूली वृद्धि पर केंद्र सरकार की कड़ी आलोचना की है। माया के अनुसार यह वृद्धि एमएस स्वामीनाथन समिति की ओर से अनुशंसित फॉमूर्ले पर एमएसपी निर्धारित करने की किसानों की मांग

से काफी कम है। उन्होंने भाजपा पर कॉ पो र्ट संस्थाओं के पक्ष में किसानों के हितों के साथ विश्वासघात करने का भी आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि एमएसपी वृद्धि किसानों की ओर से झेली जाने वाली आर्थिक वास्तविकताओं के अनुरूप नहीं है। सब्जी मंडियों में इन एमएसपी दरों पर गारंटीकृत खरीद के बारे में कोई आश्वासन नहीं दिया गया है, जिससे किसान बिचौलियों के शोषण के शिकार हो रहे हैं। विकास ने कहा कि धान के लिए सरकार की ओर से घोषित एमएसपी 2,300 रुपये प्रति क्विंटल और उत्पादन की वास्तविक लागत के बीच विसंगति है, जो कई राज्यों और कृषि विश्वविद्यालयों की ओर से बहुत अधिक होने का अनुमान है। उन्होंने कहा कि मुद्रास्फीति के आधार पर किसानों के लिए निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए धान की वास्तविक एमएसपी 3,100 रुपये से 3,450 रुपये प्रति क्विंटल के बीच होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि ज्वार, बाजरा, रागी, मक्का, अरहर और मूंग जैसी अन्य फसलों की एमएसपी में भी मामूली बढ़ोतरी की गई है। उन्होंने कहा कि ओडिशा, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश व राजस्थान में राज्य चुनावों के दौरान भाजपा ने धान के लिए 3,100 रुपये प्रति क्विंटल एमएसपी देने का वायदा किया गया था, लेकिन चुनाव के बाद इसे ठंडे बस्ते में डाल दिया गया। आगामी विधानसभा चुनावों से पहले भाजपा एमएसपी में मामूली बढ़ोतरी करके किसानों को खुश करके फायदा लेने का सोच रही हैं।

लोगों को नुक्कड़ नाटक के जरिए नशे के खिलाफ किया जा रहा जागरूक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

डीएसपी ट्रैफिक आशीष चौधरी के मार्गदर्शन में नागरिकों को नुक्कड़ नाटक के माध्यम से नशे के खिलाफ जागरूक किया जा रहा है। रंगकर्मी सतीश मस्तान के निर्देशन में शाकुंतलम संगीत व नाट्य संस्था की ओर से शनिवार को बस स्टैंड पर लोगों को नुक्कड़ नाटक के माध्यम से नशे के दुष्परिणामों के बारे में जागरूक किया गया। कलाकारों ने नशा मुक्त भारत थीम पर आधारित नुक्कड़ नाटक से आमजन को जागरूक करते हुए बताया कि नशा युवाओं को बर्बाद कर रहा है और समाज के लिए कितना घातक होता जा रहा है। नशे में युवक अपने भविष्य के साथ-साथ अपने परिवार को भी बर्बाद कर रहे है। संस्था के कलाकार पार्थ, राधिका, नेहा, प्रिया, चंचल, दया, दीपक सैनी, हेमंत राठी, बृजेश अग्रवाल व संजय मनचंदा ने नाटक का मंचन किया।

रेवाड़ी। नुक्कड़ नाटक से लोगों को जागरूक करते हुए।

इस अवसर पर डीएसपी चौधरी ने कहा कि नशा युवाओं को बर्बाद कर रहा है और समाज के लिए बेहद घातक होता जा रहा है। इसलिए इस बुराई के खिलाफ हम सभी को मिलकर काम करना होगा। अगर आसपास कोई नशा बिकता है तो इसकी सूचना तुरंत डायल 112 पर पुलिस विभाग को दें। इस अवसर पर बस स्टैंड चौकी इंचार्ज एएसआई विनोद कुमार सहित जिला पुलिस के अन्य कर्मचारी उपस्थित थे।

टाबर उत्सव में युवा शिल्पकार सीख रहे मूर्तिकला के हुनर

रेवाड़ी। विद्यार्थियों की ओर से उत्सव में बनाई कई कलाकृतियां तथा टाबर उत्सव में क्ले मॉडलिंग करते विद्यार्थी।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

कला एवं सांस्कृतिक कार्य विभाग हरियाणा एवं शिक्षा विभाग के संयुक्त तत्वाधान में जिले के राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में 9वीं से 12वीं कक्षा तक के विद्यार्थियों के लिए 30 दिवसीय ग्रीष्मकालीन शिविर टाबर उत्सव का आयोजन किया जा रहा है। टाबर उत्सव का आयोजन राज्य के 22 जिलों के 22 सरकारी विद्यालयों में किया जा रहा है, जिसमें सुबह 8 से 11 बजे तक विद्यार्थियों को आधुनिक मूर्तिशिल्प क्ले मॉडलिंग, रिलिफ एवं थ्रीडी स्कलप्चरल आर्ट में हरियाणा संस्कृति पर आधारित प्रशिक्षण दिया जा रहा है। तीस दिवसीय ग्रीष्मकालीन शिविर टाबर उत्सव का उद्देश्य राज्य के होनहार छात्र-छात्राओं को मूर्तिशिल्प कला में अपनी प्रतिभा निखारने व राज्य में लुप्त हो रही मूर्तिकला में होनहार कलाकारों को सुमार्ग देने, सरकारी स्कूल स्तर के विद्यार्थियों को कला के क्षेत्र में तकनीकी दृष्टिकोण प्रयोगात्मक अभ्यास के साथ लर्निंग बाई डूईंग से मूर्तिशिल्प व क्राफ्ट की सौंदर्यात्मक एवं विभिन्न माध्यगों में तकनीकी प्रशिक्षण दिया जा रहा है, जिससे छात्र-छात्राओं का रचनात्मक व कलात्मक विकास होगा। शिविर में विद्यार्थियों को मूर्तिकला विधा में प्रयोग होने वाली सामग्री क्ले, पीओपी व अन्य सामग्री से लघु मूर्ति बनाकर रंग भने के हुनर भी सिखाएं जा रहे है, जिससे भविष्य में उनको शिक्षा के साथ प्रतियोगिता, रोजगार एवं मूर्तिकला के क्षेत्र में करियर बनाने का भी ज्ञान मिलेगा। इस शिविर में किसी भी आयु वर्ग का कोई भी विद्यार्थी निःशुल्क भाग ले सकता हैं। मूर्तिशिल्प एक मात्र ऐसा विषय है, जिसमें सभी विषयों का अध्ययन एक साथ हो जाता है। शारीरिक, मानसिक एवं बौधिक ज्ञान को नवीनता प्रदान करता है। हरियाणा राज्य में लुप्त होती मूर्तिकला का विकास करने के लिए विद्यार्थियों को विभिन्न माध्यमों में धातु, लकड़ी, पत्थर, पीओपी, टैराकोटा, कांच, वैल्डिंग, सिरामिक व असेम्बलेज से अवगत कराया जा रहा है। कक्षाओं को प्रयोगात्मक व रोचक बनाने के लिए लाइव मॉडल डेमो भी दिया जा रहा है। टाबर उत्सव से राज्य के करीब 1200 से 1500 विद्यार्थी 30 दिनों में तकनीकी व कलात्मक दृष्टिकोण से लाभांवित होंगे। पीएमश्री राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के प्राचार्य धर्मवीर ने बताया कि टाबर उत्सव में जिले के किसी भी विद्यालय के विद्यार्थी भाग ले सकते हैं।

नशा मुक्त अभियान से पुलिस को मिल रही कामयाबी, खेलों की ओर अग्रसर हो रहे युवा

- जिलें में करीब 15 हजार लोगों को किया जागरूक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

जिला पुलिस की ओर से पिछले ग्यारह दिनों से नशा मुक्त भारत अभियान चलाया जा रहा है, जिसमें पुलिस की अनेक टीमें जिले के 60 अलग-अलग स्थानों पर करीब 15 हजार लोगों को नशे से होने वाले दुष्प्रभावों व बचाव को लेकर जागरूक कर चुकी है। एसपी शशांक कुमार सावन के मार्गदर्शन में यह अभियान 26 जून तक चलाया जाएगा। जिला पुलिस बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, चौक-चौराहों, औद्योगिक क्षेत्र, शिक्षण संस्थान,

रेवाड़ी। लोगों को नशे के खिलाफ जागरूक करती पुलिस। फोटो : हरिभूमि

खेल स्टेडियम व गांव-गांव जाकर आमजन व युवाओं को नशे से बचने के लिए जागरूक कर रही है। साथ ही नशा न करने की शपथ भी दिलाई जा रही है। पुलिस आमजन से नशा तस्करों को पकड़ने के लिए सहयोग की अपील भी कर रही है। शनिवार को जिला पुलिस ने अनेक स्थानों पर अभियान चलाया। पुलिस टीम ने आमजन को नशे से होने वाली हानि व खेल से होने वाले लाभ के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि नशा हमारे जीवन को धीरे-धीरे अंधकार की ओर ले जाता है। लोग नशे के आदी हो जाते हैं, जब तक उन्हें पता चलता है, उसके घातक परिणाम सामने आने लगते हैं और वह नशे के गुलाम बन जाते हैं, जिसके बाद वह नशे की पूर्ति के लिए अपराध की ओर बढ़ जाते हैं, जिसका खामियाजा उनके माता-पिता व अन्य रिश्तेदारों को भुगतना पड़ता है। डीएसपी हैडक्वाटर पवन कुमार ने बताया कि नशा मुक्त भारत पखवाड़ा अभियान के माध्यम से पुलिस का उद्देश्य आमजन को नशे की बुराइयों से अवगत कराना तथा नशे के आदी युवाओं को समाज की मुख्यधारा में जोड़ना है। उन्होंने आमजन से नशा मुक्त भारत अभियान में योगदान देने और नशे का कारोबार करने वालों की सूचना डायल 112 पर देने का आह्वान किया।

सुधराना में भागवत कथा का समापन

नाहड़। गांव सुधराना स्थित बाबा भैया धाम पर श्रीमद् भागवत कथा के समापन पर हवन व भंडारे का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर जागरण का आयोजन भी किया गया। ग्राम वासियों एवं कमेटी के सहयोग से बाबा भैया धाम पर सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा का समापन किया गया। नरेंद्र कौशिक एंड पार्टी की ओर से जागरण में बाबा की महिमा का गुणगान किया गया।

भागवत कथा श्रवण से जन्मांतर के पापों का हो जाता नाशः रामबाबू

रेवाड़ी। कालाका रोड़ स्थित महावीर नगर में भव्य कलश यात्रा के साथ श्रीमद् भागवत कथा ज्ञानयज्ञ का शुभारंभ किया गया। कथा के दूसरे दिन बालाजी धाम से कथावाचक रामबाबू शास्त्री ने कहा कि रामायण महापुराण हमें आदर्श के साथ जीवन जीने के तरीके सिखाती है और श्रीमद् भागवत महापुराण हमें मोक्ष प्राप्ति का मार्ग सिखाती है। उन्होंने कहा कि भागवत

कथा वह अमृत है, जिसके पान से भय, भूख, रोग व संताप सब कुछ स्वतः ही नष्ट हो जाता है। उन्होंने कहा कि व्यक्ति को मन, बुद्धि, चित एकाग्र कर अपने आप को ईश्वर के चरणों में समर्पित करते हुए भागवत कथा को ध्यानपूर्वक सुनना चाहिए। श्रीमद भागवत कथा का श्रवण करने से जन्म-जन्मांतर के पापों का नाश हो जाता है। महाराज ने कहा कि इस कलयुग में केवल भगवान का नाम जपने भर मात्र से सहज ही भक्ति की प्राप्ति हो जाती है।

ज्ञापन | टीजीटी और पीजीटी अध्यापकों ने शनिवार को डा. बनवारी लाल से की मुलाकात

अध्यापकों ने ऑनलाइन ट्रांसफर पोर्टल खोलने की मांग को लेकर सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

जिले के टीजीटी और पीजीटी अध्यापकों ने शनिवार को जनस्वास्थ्य एवं लोक निर्माण मंत्री डा. बनवारी लाल से मुलाकात करके अपनी मांगों का एक ज्ञापन सौंपा। अध्यापकों ने सामान्य तबादले की प्रकिया जल्द शुरू करने, ट्रांसफर पोर्टल खोलने और सभी वर्गों का ट्रांसफर करने की मांग की ताकि नए सत्र से नए विद्यालयों में शिक्षक अपना कार्यभार संभाल सकें। अध्यापक महीपाल सिंह, विपुल यादव,

रेवाड़ी। डा. बनवारी लाल को ज्ञापन सौंपत अध्यापक। फोटो : हरिभूमि

परमाल सिंह और प्रमोद कुमार ने कहा कि यदि ऐसा भी संभव नहीं है तो फिर कम से कम जिस तरह से आपकी सरकार ने संस्कृत पीजीटी की एडजस्टमेंट की है तथा 10 जनवरी को दूसरी सूची जारी हो चुकी है। पहली सूची दिसंबर-2023 में जारी की गई थी। वैसे ही तमाम प्रमोशन पाए हुए शिक्षकों का अस्थाई समायोजन किया जाए।

अध्यापकों ने कहा कि सरकार ने संस्कृत पीजीटी की दो बार एडजस्टमेंट करके बेहतरीन कार्य किया है। मगर ऐसा ही आप दूसरों के साथ भी करें ताकि उन्हें भी राहत मिल सकें और भेदभाव नजर न आएं। उन्होंने कहा कि क्या प्रमोशन पाएं हिंदी पीजीटी एक बार भी एडजस्टमेंट के हकदार नहीं है, जबकि दूर-दराज गए शिक्षकों के गृह जिलों में भी पद खाली है। साथ ही 2022 में नियुक्त हुए टीजीटी इग्लिंश का भी तबादला हो ताकि यह अध्यापक जोकि नियुक्ति के समय से ही अस्थाई स्टेशन पर है। इन्हें स्थाई स्टेशन मिल सकें। अध्यापकों ने बताया कि पिछले दिनों जेबीटी के लगभग बारह हजार के आस-पास अंतरजिला तबादले हुए हैं और कई विषयों की प्रमोशन लिस्टें भी जारी हुई हैं। नई नियुक्तियां भी हैं और लगभग पंद्रह से बीस हजार तक शिक्षक अभी अस्थाई स्टेशन पर बैठे हैं। बहुत से शिक्षक एनिवेयर में दूर-दराज के स्टेशनों पर हैं, जबकि उनके यहां पद खाली हैं। उन्होंने कैबिनेट मंत्री से समस्या का जल्द समाधान कराने की मांग की है।

रास्ता रोककर बाप-बेटे के साथ मारपीट, कई लोगों के खिलाफ केस दर्ज : नाहड़। जुड्डी में रास्ता रोककर पिता-पुत्र के साथ मारपीट करने और गाड़ी क्षतिग्रस्त करने के आरोप में पुलिस ने कई लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। अस्पताल में उपचाराधीन सन्नी ने बताया कि वह बाइक लेकर झाल गांव से जुड्डी आ रहा था। उसने आरोप लगाया कि गांव निवासी नितेश ने उसकी बाइक को पीछे से बाइक से टक्कर मार दी।

सूचना

मैं, शिल्पा पत्नी सुमित कुमार निवासी रेलवे स्टेशन कोसली, भाकली-2 तहसील कोसली जिला रेवाड़ी हरियाणा बयान करती हूं कि मेरे मैट्रिक सर्टिफिकेट में मेरा नाम शिल्पा गर्ग पुत्री भीम गर्ग दर्ज है जबकि मेरे आधार कार्ड में मेरा नाम शिल्पा पत्नी सुमित कुमार दर्ज है। उपरोक्त दोनों नाम मेरे स्वयं के हैं तथा उक्त नामों की मैं एक ही औरत हूं।

खबर संक्षेप

दुकान का ताला तोड़कर नकदी चोरी

नाहड़। गुजरवास गांव में चोर एक दुकान का ताला तोड़कर नकदी व अन्य सामान चोरी कर ले गए। पुलिस शिकायत में अजय कुमार ने बताया कि उसने बस स्टैंड पर दुकान की गई है। रात के समय वह दुकान बंद करने के बाद घर चला गया था। सुबह जब दुकान पर पहुंचा तो दुकान का ताला टूटा हुआ था। चोर उसकी दुकान के फ्रीज, सिलेंडर, 2500 रुपये व कुछ अन्य सामान चोरी कर ले गए।

ताला तोड़कर नकदी व जेवरात चोरी

रेवाड़ी। शक्ति नगर में चोर एक मकान का ताला तोड़कर नकदी व जेवरात चोरी कर ले गए। पुलिस शिकायत में मूल रूप से यूपी के गोविंद नगर निवासी शुभम चावला ने बताया कि वह किराए के मकान में रहता है। मकान बंद करने के बाद वह ड्यूटी पर चला गया था। वापस आने पर उसे मकान के गेट का ताला टूटा मिला। घर का सारा सामान बिखरा हुआ था। चोर अलमारी से 4500 रुपये व सोने-चांदी के काफी जेवरात चोरी कर ले गए।

पोक्सो एक्ट के तहत एक आरोपी गिरफ्तार

कोसली। थाना कोसली पुलिस ने पोक्सो एक्ट के तहत दर्ज मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने पीड़ित पक्ष की शिकायत पर गत 9 मई को पोक्सो एक्ट के तहत केस दर्ज किया था। पुलिस ने पीड़िता का मेडिकल कराने के बाद मामले की जांच शुरू की थी। जांच के बाद पुलिस ने आरोपी एक गांव निवासी ओमबीर को गिरफ्तार कर लिया।

काम के लिए घर से गया युवक लापता

रेवाड़ी। खेड़ा आलमपुर से काम के लिए निकला एक 47 वर्षीय युवक लापता हो गया। पुलिस शिकायत में सुमेर सिंह ने बताया कि उसका भाई राजबीर 16 जून को शाम के समय रेवाड़ी में काम पर जाने के लिए घर से निकला था। अगले दिन वह घर नहीं लौटा तो उसकी तलाश शुरू की गई। पूछताछ करने पर पता चला कि वह काम पर नहीं गया था। इसके बाद रिश्तेदारियों और दूसरे स्थानों पर उसकी काफी तलाश की गई, लेकिन उसका कोई पता नहीं चल सका।

गैर इरादतन हत्या का आरोपी गिरफ्तार

कोसली। पुलिस ने गत वर्ष दिसंबर माह में निर्माणाधीन मकान की छत से गिरकर हुई श्रमिक की मौत मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बिल्डिंग मालिक व ठेकेदार के खिलाफ गत वर्ष 14 दिसंबर को गैर इरादतन हत्या का केस दर्ज किया था। बिल्डिंग से गिरकर एमपी के श्रमिक विनीत की मौत हो गई थी। बिल्डिंग निर्माण के दौरान सुरक्षा के कोई इंतजाम नहीं किए हुए थे। पुलिस ने एक आरोपी चरखी दादरी निवासी दिनेश कुमार को इस मामले में गिरफ्तार कर लिया।

ठहरे पानी में आठ से दस दिन में बन जाता है मच्छर

बरसात शुरू होते ही बढ़ेगा डेंगू का खतरा सप्ताह में एक दिन ड्राई-डे मनाएं : सीएमओ

- डेंगू ग्रस्त मरीज को काटने के बाद मच्छर के अन्य लोगों को काटने पर बढ़ने लगते डेंगू केस

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

रेवाड़ी। अनाजमंडी के पास पुराना हाउसिंग बोर्ड मार्ग पर सड़क पर जमा घरों का पानी। फोटो : हरिभूमि

सिविल सर्जन डॉ सुरेन्द्र यादव ने कहा कि जल्द ही डेंगू बुखार का सीजन आने वाला है। बरसात आने के बाद मच्छरों की तादाद बहुत ज्यादा बढ़ जाती है, जिससे डेंगू व मलेरिया के केस भी काफी आ जाते है। प्रति वर्ष जून-जुलाई से लेकर नवंबर तक डेंगू-मलेरिया के केस देखने को मिलते है। बरसात शुरू होती ही जगह-जगह पानी जमा हो जाता है तथा इस पानी में मच्छर अपनी ब्रीडिंग करते है और इनकी संख्या बढ़ जाती है।

यह मच्छर किसी भी डेंगू से ग्रस्त बच्चे व अन्य मरीज को काटते है तो वायरस मच्छर की बॉडी में आ जाता है। यह मच्छर दो से तीन सप्ताह जिंदा रहता है और इस बीच जिस भी व्यक्ति को काटता है सभी को डेंगू कर देता है। इसलिए सबसे पहले डेंगू की रोकथाम के लिए मच्छरों की ब्रीडिंग को कम करना होगा। मच्छर को पैदा होने के लिए सबसे जरूरी पानी है, क्योंकि मच्छर पानी में अंडे देता है। इसलिए सभी को कम से कम मच्छर पैदा हो ऐसा उपाय करना होगा। मच्छर कभी भी पानी को टच नहीं करता, लेकिन पानी के उपर उड़कर अपने अंडे उसमें डाल देता है। इसलिए पानी के बर्तनों को ढ़ककर रखें ताकि मच्छर पानी में अंडे न दे सकें। इन अंडों से 8 से 10 दिन में मच्छर बन जाता है। इसकी तीन स्टेज है। पहले अंडा 24 घंटे बाद लारवा में बदलता है। लारवा 5 से 7 दिन में प्यूपा में बदलता है और प्यूपा एक से दो दिन में मच्छर में बदल जाता है और मच्छर वहां से उड़ जाता है। इसलिए हम हर सप्ताह बर्तन, टंकी व अन्य जगह के पानी को खाली कर दे तो यह चैन टूट जाएगी और अंडे मच्छर में नहीं बदल पाएंगे।

डेंगू के केस को कम करने के समाधान

सीएमओ ने बताया कि डेंगू की रोकथाम के लिए मच्छरों को पनपने न दे। मच्छर न काटे इसके लिए पूरी बाजू के कपड़े पहने। हाथ व पैर में एंटी मास्कीटों क्रीम का यूज करें। ज्यादातर डेंगू का मच्छर दिन में ही काटता है, इसलिए बच्चों को स्कूल भेजने से पहले एंटी मास्कीटों क्रीम लगाकर भेजे। स्कूल से आने के बाद भी लगाए। मच्छर गहरे पानी में पैदा नहीं होता, लेकिन जोहड़ के किनारों पर पैदा होता है। डेंगू मरीज से ही फैलता है। उसके साथ रहने व खांसने से नहीं फैलता है, लेकिन जो मच्छर उस मरीज को काटेगा वह वायरस लेकर कई लोगों को डेंगू से पीड़ित कर देता है। इसलिए ध्यान रखे कि डेंगू के मरीज को एक भी मच्छर न काटे, इसके लिए मच्छरदानी का प्रयोग करें।

सप्ताह में एक दिन मनाएं ड्राई-डे

सीएमओ ने कहा कि डेंगू-मलेरिया की रोकथाम के लिए स्वास्थ्य विभाग की ओर से एक मुहिम चलाई हुई है, जिसमें सभी लोग हर सप्ताह एक दिन ड्राई-डे मनाएं। इस दौरान अपने घरों के कूलर, पानी की टंकी, फ्रिज-टेर, पशुओं की खेल व अन्य बर्तनों की सफाई करके पानी बदल दे। ज्यादातर लोग कूलर की सफाई न करके लगातार पानी भरते रहते है, जिससे उसमे पहले से बचे पानी में मच्छरों के अंडे पनपते रहते है और वह मच्छर का रूप ले लेते है। कई बार छतों पर टायर व टूटा हुआ मटका पड़ा रहता है, जिससे उनमें बरसात का पानी एकत्रित होता रहता है। लोगों के ध्यान नहीं देने की वजह से मच्छर उस पानी में अंडे देता रहता है और फिर इनकी संख्या बढ़ती रहती है। एक बार में मच्छर 10 से 100 तक अंडे देता है, जिससे इनकी संख्या बहुत ज्यादा बढ़ जाती है। इसलिए बरसात के समय घर की छतों पर रखे पानी एकत्रित करने वाले अनावश्यक सामान पर भी विशेष ध्यान दे और उनको खाली करते रहे। सीएमओ ने बताया कि अमूमन घरों व कोठियों में 20 से 50 तक गमले रखे रहते है, जिनमें पानी डालने पर एक सतह बनी रहती है, जिसमें भी मच्छर अंडे देते रहते है। इन गमलों से बहुत ही ज्यादा तादाद में मच्छर पैदा हो जाते है। पिछले वर्ष रेवाड़ी के सेक्टरों में डेंगू के काफी केस पाए गए। जब जांच की गई तो कोठियों में रखे गमलों में मच्छरों का लारवा पाया गया।

चोरी की नीयत से घुसे, महिला ने पड़ोसियों की मदद से पकड़े

रेवाड़ी। पुलिस गिरफ्त में आरोपी। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶ डहीना

निमोठ में एक बंद मकान में चोरी की नीयत से महिला सहित तीन लोग घुस गए। ऐन मौके पर महिला के घर पहुंचते ही तीनों ने भागने का प्रयास किया, लेकिन पड़ोसियों की मदद से महिला ने तीनों को काबू करते हुए पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस ने केस दर्ज करने के बाद आरोपियों से पूछताछ शुरू कर दी। महिला सुरेश देवी ने बताया कि वह किसी काम से घर से बाहर गई हुई थी। उसके घर पर कोई नहीं था। जब वह वापस घर आई तो उसके मकान में दो लड़के व एक महिला सामान को इधर-उधर कर रहे थे। उसे देखने के बाद तीनों ने भागने का प्रयास किया। उसने काबू करने का प्रयास किया तो तीनों ने उसे जान से मारने की धमकी दी। इसी दौरान उसने शोर मचा दिया। पड़ोस में रहने वाले कंवर सिंह, सतपाल और बबलू आवाज सुनकर वहां आ गए। उनकी मदद से तीनों को काबू कर लिया गया। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर तीनों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर रही है।

यह किए गए गिरफ्तार

पुलिस ने जिन आरोपियों को गिरफ्तार किया है, उनमें गुरूग्राम के खलीलपुर निवासी अनिल कुमार, उसकी पत्नी मुस्कान व बिहार के हरला निवासी जाहेद शामिल हैं। पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर रही है। पूछताछ के दौरान उनसे चोरी की वारदातों का खुलासा होने की उम्मीद है।

डाइट हुसैनपुर में 165 अधिकारियों और कर्मियों को दी मिशन कर्मयोगी की ट्रेनिंग

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

रेवाड़ी। प्रशिक्षण लेने के बाद अधिकारी व कर्मचारी। फोटो : हरिभूमि

मिशन कर्मयोगी हरियाणा सरकार की ओर से सभी अधिकारियों व कर्मचारियों के व्यवहार में परिवर्तन करने के उद्देश्य से गत वर्ष शुरू की गई एक पहल है। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान हुसैनपुर में मिशन कर्मयोगी प्रशिक्षण शिविर का समापन किया गया। इस अवसर पर प्राचार्य सुभाष चंद्र ने तेजी से विकसित हो रहे वैश्विक परिदृश्य पर प्रकाश डालते हुए कहा कि अधिकारियों को रुल बेस्ड से रोल बेस्ड व्यवस्था की ओर ले जाने के लिए उनकी क्षमता का विकास किया जा रहा है। पारदर्शिता, प्रौद्योगिकी सक्षम, ड्यूटी के प्रति जवाबदेही, ईमानदारी व नैतिक मूल्यों के साथ लोगों की अपेक्षाओं पर खरे उतरने वाले अधिकारी तैयार करना इसका मुख्य लक्ष्य है।

ट्रेनिंग विंग के प्रभारी वरिष्ठ प्राध्यापक डा. बीर सिंह ने बताया कि प्रथम चरण में डाइट की ओर से मिशन कर्मयोगी के तहत जिले के सभी खंडों से 124 बैच में 4430 शिक्षा विभाग के अधिकारियों व कर्मचारियों को ट्रेनिंग पहले ही दी जा चुकी है। गत वर्ष से चल रहे प्रशिक्षण कार्यक्रम में किसी कारण वश जिले के विभिन्न विभागों के कुछ अधिकारी व कर्मचारी प्रशिक्षण में भाग नहीं ले पाए थे। द्वितीय चरण अप्रैल माह में 222 अधिकारियों-कर्मचारियों को ट्रेनिंग दी गई। तीसरे चरण में किसी कारणवश जिले जो अधिकारी-कर्मचारी ट्रेनिंग नहीं ले पाए, उनको अंतिम मौका दिया गया।

इनका रहा योगदान

प्रशिक्षण कार्यक्रम में वरिष्ठ प्राध्यापक डा. विजय सिंह, डा. मंजू बाला, प्राध्यापक दीपक कुमार, हवा सिंह, धर्मेंद्र, डा. सुरेंद्र, डा. संगीता, रितु, लिपिकीय व सुख सहायक वर्ग से संजीव, यशपाल, ब्रह्म, विवेक, इंद्र व रामकुमार ने योगदान दिया।

पशुओं की चोरी से ग्रामीण परेशान, चोरों का सुराग नहीं

धारूहेड़ा। गांव भटसाना में चोरी हुए पशुओं का पुलिस अभी तक सुराग नहीं लाग पाई है। गांव से चोर 9 बकरियां चुरा कर ले गए थे तथा करीब 1 लाख 80 हजार कीमत के पशु 7 जून को चोरी हो गए थे। बकरी मालिक इंद्र ने बताया कि चोरी करने वाले सीसीटीवी कैमरे में भी कैद हो गए थे। इन्द्र ने बताया कि इससे पहले गांव से कृष्ण की 10 बकरियां चोरी हो चुकी है। नंदरापुरबास गांव से भी बकरियां चोरी होने का कोई सुराग नहीं लगा है। उन्होंने कहा कि चोरों के हौसले आए दिन बुलंद होते जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि चोरी की वारदातों को लेकर जल्द गांव में पंचायत का आयोजन किया जाएगा।

युवक से की मारपीट, देसी कट्टा दिखाकर मारने की दी धमकी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

रेलवे चौक के पास एक दुकान पर गए युवक को बाहर बुलाकर मारपीट करने और देसी कट्टा दिखाकर जान से मारने की धमकी देने के आरोप में पुलिस ने दो लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है। हालांकि पुलिस आरोपियों के पास देसी कट्टा होने की बात को संदिग्ध मान रही है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

पुलिस बयान में कुतुबपुर निवासी गौरव ने बताया कि वह अपने दोस्त गुलशन के साथ मोबाइल फोन खरीदने के लिए रेलवे चौक के पास एक दुकान पर गया था। बाइक लेकर वहा पहुंचे गोकलगढ़ निवासी आदित्य और धामलावास निवासी संदीप ने उसे दुकान से बाहर बुला लिया। उसने आरोप लगाया कि दुकान से बाहर आते ही दोनों ने उसके साथ झगड़ा करना शुरू कर दिया। उसके साथ मारपीट करते हुए संदीप ने आदित्य से कहा कि वह उसे गोली मार दे। गौरव का आरोप है कि इसके बाद आदित्य ने देसी कट्टा निकालकर उसे जान से मारने की धमकी दी। आसपास के लोग वहां पहुंचने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। उसने पुलिस बयान में बताया कि यह लोग गुलशन और उसके दोस्त नकसु के मकान पर पहले भी फायरिंग कर चुके हैं, जिसका केस रामपुरा थाने में दर्ज है। पुलिस ने उसके बयान पर आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज करने के बाद जांच शुरू कर दी।

महिला और उसके पिता से मारपीट पति, सास तथा ससुर पर केस दर्ज

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कोसली

सहादत नगर में एक महिला और उसके पिता के साथ मारपीट करने और धमकी देने के आरोप में पुलिस ने उसके पति व सास-ससुर के खिलाफ केस दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस बयान में जयपाल की पत्नी सुनीता ने बताया कि उसकी शादी वर्ष 2017 में हुई थी। उसे एक छोटा बच्चा है। उसकी ससुराल पक्ष के लोगों के साथ अनबन चल रही है। उसके घर पर ननद और ननदोई आए हुए थे। उसने उन्हें बताया कि उसे अलग कर दिया जाए। उसके और उसके बच्चे के पालन-पोषण का खर्चा दिया जाए। महिला ने आरोप लगाया कि इसी बात पर उसका पति जयपाल, सास मुन्नी देवी और ससुर रिसाल सिंह उसके साथ मारपीट करने लगे। मारपीट करने के बाद उसे घर से बाहर निकाल दिया। उसने अपने पिता धवाना निवासी सतबीर को घटना की सूचना फोन पर दी। सुनीता ने आरोप लगाया कि जब उसका पिता वहां पहुंचा, तो इन लोगों ने उसके पिता के साथ भी मारपीट शुरू कर दी। बचाव करते हुए उसके पिता ने उसे अस्पताल पहुंचाया।

स्कूटी की डिग्गी से नकदी और कागजात उड़ाए

रेवाड़ी। पीएनबी के बाहर खड़ी एक स्कूटी की डिग्गी से चोर नकदी व बैंक के कागजात चोरी कर ले गए। सिटी पुलिस ने केस दर्ज करने के बाद जांच शुरू कर दी। रामगढ़ निवासी रामफल ने पुलिस शिकायत में बताया कि वह घर से स्कूटी लेकर एसबीआई में पैसे निकलवाने के लिए आया था। बैंक से 40 हजार रुपये निकलवाने के बाद उसने स्कूटी की डिग्गी में रख दिए। इसके बाद वह किसी काम से पंजाब नेशनल बैंक की सरकुलर रोड शाखा में गया था।

कोर्ट में गवाही के विरोध में हमला पांच के साथ मारपीट

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

देहलावास में कोर्ट में चल रहे एक मामले में गवाही देने के विरोध में एक परिवार के सदस्यों ने दूसरे परिवार के सदस्यों पर हमला कर दिया। इस हमले में महिला सहित पांच लोग घायल हो गए। पुलिस ने सात लोगों के खिलाफ केस दर्ज करने के बाद मामले की जांच शुरू कर दी। पुलिस बयान में भागमल ने बताया कि उसका परिवार एक शोक सभा में भाग लेने के लिए जा रहा था। उसका बेटा रोहताश गांव के लोगों को सूचना देने के लिए जा रहा था। रास्ते में सुंदरलाल ने अपने परिवार के सदस्यों बहादुर, प्रेमपाल, अंकित, पुष्पेंद्र, योगेश व गौरव के साथ उसे रोक लिया। कोर्ट में चल रहे केस में गवाही देने पर जान से मारने की धमकी देते हुए इन लोगों ने उसके साथ मारपीट करना शुरू कर दिया। भागमल ने आरोप लगाया कि बचाव करने के लिए जाने पर उसे व उसके परिवार के अन्य सदस्यों पर भी इन लोगों ने हमला कर दिया। ग्रामीणों ने बीच-बचाव कराते हुए उसे और उसके परिवार के चार सदस्यों को ट्रॉमा सेंटर में दाखिल कराया।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
रेवाड़ी कार्यालय : दुकान नंबर 67, दुर्गा मार्केट, सेक्टर-1 वाला कच्चा रास्ता, नजदीक महाराणा प्रताप चौक, बावल रोड, रेवाड़ी सम्पर्क करें: 8053076211, 8295738500, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 1500/- रु. 2000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
रेवाड़ी : दुकान नंबर 67, दुर्गा मार्केट, नजदीक महाराणा प्रताप चौक, बावल रोड, रेवाड़ी फोन : 9671434260, 8595581311

बंद मकान से डेढ़ लाख रुपए व जेवरात चोरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

साधुशाह नगर में चोर एक बंद मकान में सेंध लगार 1.5 लाख कैश व जेवरात चोरी कर ले गए। मौका मुआयना करने के बाद सिटी पुलिस ने चोरी का केस दर्ज कर लिया। राजगढ़ निवासी राजेश कुमार ने पुलिस शिकायत में बताया कि वह फोटोग्राफी का कार्य करता है। साधुशाह नगर में वह किराए के मकान में रह रहा है। उसका बेटा हर्ष दोपहर के समय मकान के मेन गेट को ताला लगाने के बाद कहीं चला गया। जब वह मकान पर पहुंचा तो गेट का ताला लगा हुआ था, लेकिन मकान के दोनों कमरों के ताले टूटे हुए थे। कमरों का सारा सामान बिखरा पड़ा था। चोर एक कमरे में रखे लगभग डेढ़ लाख रुपये, दो कैमरे, सोने-चांदी के जेवरात व अन्य कीमती सामान चोरी कर ले गए। उसने इसकी सूचना सिटी पुलिस को दी। पुलिस ने मौका मुआयना करने के बाद चोरी का केस दर्ज कर लिया। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की मदद से पुलिस ने चोरों का पता लगाने के प्रयास शुरू कर दिए।

सड़क हादसे के बाद फरार चालक काबू

बावल। पुलिस ने सड़क हादसे के बाद फरार हुए एक गाड़ी चालक को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार दिल्ली-जयपुर नेशनल हाइवे पर 16 मई को हादसे को अंजाम देने के बाद गाड़ी चालक फरार हो गया था। पुलिस ने केस दर्ज करने के बाद आरोपी की तलाश शुरू कर दी थी। पुलिस ने जांच के बाद राजस्थान के फोलादपुर निवासी गाड़ी चालक अशोक को गिरफ्तार कर लिया।

सोशल मीडिया पर बंपर डिस्काउंट के झांसे में आकर ठगी का शिकार हो रहे लोग: डीसी

रेवाड़ी। डीसी राहुल हुड्डा ने सोशल मीडिया के दौर में बढ़ते साइबर वित्तीय धोखाधड़ी के मामलों को ध्यान में रखते जिलावासियों से ऐसे मामलों की तत्काल सूचना देने के लिए केंद्रीय गृह मंत्रालय की ओर से चलाए जा रहे हेल्पलाइन नंबर 1930 पर संपर्क करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ सालों से लोगों में ऑनलाइन शॉपिंग के बढ़ते क्रेज के चलते अक्सर लोग सोशल मीडिया पर बंपर डिस्काउंट, लॉटरी या फिर इनामी विज्ञापनों के लालच व झांसे में आकर स्वयं का नुकसान कर बैठते हैं। ऐसे में आमजन पहले यह सुनिश्चित कर लें कि इस्तेमाल की जा रही वेबसाइट सुरक्षित है या नहीं। उन्होंने कहा कि यदि संभव है तो कोशिश करें कि ऑनलाइन साइट्स से सामान मंगवाते समय कैश ऑन डिलीवरी का विकल्प चुने ताकि आपकी बैंक और कार्ड डिटेल साइबर अपराधियों के हाथ न लग सकें। यदि फिर भी किन्ही कारणों से आपके साथ किसी प्रकार की साइबर धोखाधड़ी होती है तो आप सबसे पहले हेल्पलाइन नंबर 1930 डायल करें।

मौसम में आ रहा बदलाव, हवा में नमी का स्तर बढ़ा, आज भी बादल छाने की संभावना

हीटवेव का असर खत्म, तापमान में कमी के बावजूद बढ़ी परेशानी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

रेवाड़ी। धूप से बचाव करते जाते बच्चे। फोटो : हरिभूमि

तीन दिन से मौसम में बार-बार हो रहे बदलाव ने हीटवेव के प्रकोप को खत्म कर दिया है। तापमान में मामूली उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। बादलों के बीच बूंदाबांदी के बाद हवा में आर्द्रता बढ़ने से उमस भरी गर्मी परेशान करने लगी है। आने वाले सप्ताह में भी आंशिक बादलों और तेज हवाओं के साथ बौछारें गिरने की संभावना है, जबकि माह के अंतिम दो दिन अच्छी बरसात हो सकती है।

सोमवार को सुबह से आसमान साफ रहा। दोपहर तक तेज धूप के कारण उमस भरी गर्मी लोगों के पसीने छुड़ाती रही। दोपहर बाद आसमान में बादल छाने और तेज हवाएं चलने से मौसम खुशगवार बन गया। अधिकतम तापमान शनिवार को 1.2 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि के साथ 40.2 डिग्री पर पहुंच गया। न्यूनतम तापमान 2.6 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि के साथ 29.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। कई इलाकों में हो चुकी बूंदाबांदी के कारण हवा में नमी का स्तर 40 फीसदी तक बढ़ गया है, जिससे तेज धूप निकलने के बाद उमस बन जाती है। उमस भरी गर्मी दोपहर के समय ज्यादा परेशान कर रही है। अच्छी बरसात शुरू होने के बाद ही उमस भरी गर्मी से राहत मिल सकेगी। मौसम विभाग का अनुमान है कि रविवार को आसमान में आंशिक या घने बादल सकते हैं। तेज हवाओं के साथ बौछारें गिर सकती हैं। माह के अंतिम दो दिनों में अच्छी बरसात हो सकती है। इस दौरान तापमान में मामूली उतार-चढ़ाव देखने को मिलेगा। शनिवार को शाम के समय आसमान में बादल गहरा गए, जिससे बूंदाबांदी की संभावनाएं बन गईं।

बाजरे की बिजाई में हो रही देरी

किसान इस समय बाजरे की बिजाई के लिए बरसात का इंतजार कर रहे हैं। इस बार बरसात में हो रही देरी के कारण किसान बाजरे की अगेती बिजाई नहीं कर पाए हैं। बीते साल मई माह के अंत में अच्छी बरसात से किसानों ने बाजरे की बिजाई कर दी थी, जिससे अच्छा फसल उत्पादन हुआ था। अब किसानों की नजरें आसमान पर टिकी हुई हैं। अच्छी बरसात के साथ ही बाजरे की बिजाई शुरू हो जाएगी। मौसम में बदलाव से कपास की फसल को काफी फायदा हुआ है।

हरिभूमि रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक, रविवार 23 मई 2024

आज पर टिकी होती है हमारी भविष्य की जिंदगी

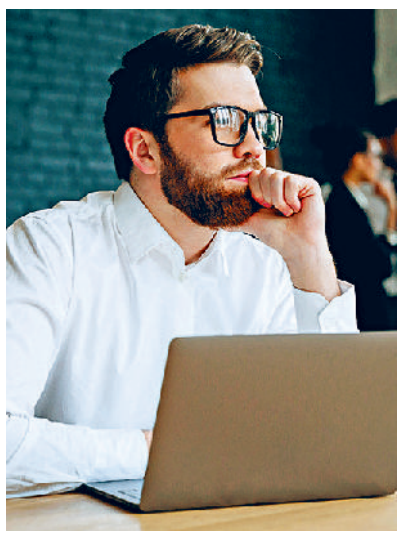

कवर स्टोरी
शिखर चंद जैन

यह सही है कि भविष्य में कुछ भी निश्चित नहीं लेकिन आने वाले कल का बहुत कुछ ऐसा होता है, जिसे हम आज ही निर्धारित कर सकते हैं। वो कौन-सी प्रवृत्तियां हैं, कौन-सी स्वभावगत विशेषताएं हैं, जिनमें बदलाव लाना या जिन्हें सही दिशा देना जरूरी है, इस बारे में जानकर हम निश्चित ही आने वाले जीवन को बेहतर बना सकते हैं।

आपको अगर अपने उगाए पेड़ों से आम, अमरूद, नीबू, केला, टमाटर या कोई भी फल सब्जी खानी है तो उसे कब उगाएंगे? जाहिर है, आप जब भी इन्हें उगाएंगे उसके कुछ दिनों, हफ्तों, महीनों या बरसों बाद आपको अपेक्षित फल मिलेंगे। ठीक इसी प्रकार आपको अपना भविष्य उज्ज्वल, खुशहाल, सहज और सुविधाजनक चाहिए तो उसके लिए कुछ कोशिशें आज से ही शुरू करनी होंगी। इन कोशिशों में आपके नजरिए, स्वभाव और आदतों में परिवर्तन भी शामिल है।

करें भविष्य का आकलन

हालांकि जीवन और दुनिया परिवर्तनशील और अनिश्चित है लेकिन इसमें कुछ चीजें कभी नहीं बदलेंगी। जैसे लोगों का स्वभाव, खान-पान संबंधी मूल आदतें, मानवीय गुण-दोष। इन्हीं के आधार पर भविष्य के लिए अपने प्रोफेशनल या कारोबारी निर्णय लें। मॉर्गन हाउसेल ने अपनी बेस्ट सेलर पुस्तक 'सेम एज एवर' में लिखा है, 2050 में दुनिया चाहे जैसी हो, लोग तब भी लाभ, भय, अवसर, शोषण, जोखिम, अनिश्चितता, जुड़ाव से संचालित होंगे, जैसे आज होते हैं। तब भी हर कोई सुरक्षित भविष्य चाहेगा, आशंकाओं से घबराएगा और खाने में कुछ चीजें तब भी लगभग हर कोई खाएगा।' शायद यही कारण है कि वारेन बफेट जैसा बड़ा उद्यमी बीमा कंपनियों, बबलगम, टोमेटो केचप जैसी ट्रेडिशनल कंपनियों में निवेश करते रहे हैं।

रखें स्पष्ट-तार्किक सोच

हमें जीवन में रोजाना कुछ छोटे-बड़े निर्णय लेने पड़ते हैं। इन्हीं के सही गलत होने पर हमारे भविष्य का पूरा दारोमदार होता है। अगर हम अपनी निर्णय क्षमता को स्पष्ट और तार्किक बनाना सीख लें तो हमारा आने वाला कल निश्चित रूप से अच्छा ही होगा। सही निर्णय लेने की कला स्कूली पढ़ाई से नहीं बल्कि अच्छे लोगों की सलाह, जीवन के अनुभवों और व्यावहारिक ज्ञान पर निर्भर करती है। सबसे पहले आपको उन क्षणों को पहचानना सीखना चाहिए, जो आपके जीवन को बदलने में सक्षम हैं। किसी भी घटना, स्थिति या व्यक्ति के व्यवहार पर बिना सोचे त्वरित प्रतिक्रिया न दें। बल्कि सोच-समझ कर तर्क के आधार पर निर्णय लें। भावनात्मक प्रतिक्रिया देने के बजाय विवेक से काम लें।

विश्वास और शत्रुता सीमित हो

आपने कई पौराणिक, ऐतिहासिक कथाएं पढ़ी होंगी। अपने परिवार या आस-पास के उदाहरण देखे होंगे और हो सकता है कभी आपको भी अनुभव प्राप्त हुआ हो कि किसी भी व्यक्ति से शत्रुता खतरनाक स्तर पर पहुंच जाए तो मानसिक अशांति के साथ-साथ जान से हाथ धो बैठने और भारी आर्थिक नुकसान होने का जोखिम बढ़ जाता है। ठीक इसी प्रकार जब हम किसी को अपना परम मित्र और हितैषी मानकर उसे अपनी जिंदगी का हर छोटा-बड़ा राज बता देते हैं और जरूरत से ज्यादा विश्वास करने लगते हैं तो कभी-कभार हमें भारी नुकसान उठाना पड़ता है। ऐसा ना हो इसके लिए किसी से अत्यधिक शत्रुता या किसी पर अंधविश्वास करने से बचना चाहिए।

धोखाधड़ी-शॉर्टकट से बचें

कई बार हम क्षणिक सुख प्राप्त करने के लिए कोई ऐसी बड़ी गलती कर बैठते हैं, जिसके लिए हमें जीवन भर पछताना पड़ता है। अवैध संबंध, ठगी, चोरी, लूट, ईर्ष्या, किसी का अहित करना या धोखा देकर, नकल करके आगे बढ़ना ऐसे काम हैं, जिनका अंतिम नतीजा सदैव दुखदायी ही होता है। आप ऐसी खबरें देखते, सुनते या पढ़ते होंगे कि कोई बाहुबली, बड़ा राजनीतिज्ञ या अत्यधिक अमीर व्यक्ति भी अर्श से फर्श पर आ जाता है। इस संदर्भ में अब्राहम लिंकन के एक पत्र का सारांश पठनीय है, जो उन्होंने अपने बेटे के स्कूल टीचर को लिखा था। उन्होंने लिखा था, 'आदरणीय टीचर, आप मेरे बेटे को सिखाएं कि मेहनत से कमाया हुआ एक डॉलर सड़क पर पड़े मिलने वाले पांच डॉलर से ज्यादा कीमती होता है। वह दूसरों से ईर्ष्या की भावना मन में ना लाए। मुझे उम्मीद है कि आप उसे बताएंगे कि दूसरों को धमकाना और डराना अच्छी बात नहीं है। नकल करके पास होने से फेल होना ज्यादा अच्छा है। आप उसे सिखाएं कि हर दुश्मन में दोस्त बनने की संभावना भी होती है। इसलिए संयमित व्यवहार करे।'

ये सीखें बेहतर जीवन की चाहत रखने वाले हर किसी के लिए उपयोगी हैं। इसलिए बेहतर और खुशहाल जीवन के लिए इसके सभी पहलुओं का संतुलन साधना बहुत जरूरी है। *

सीखें लाइफ को बैलेंस करना

अगर आप अपने जीवन में अच्छे-बुरे कामों, नतीजों, अपने क्रिया-कलापों पर नजर नहीं रखते हैं तो जीवन की गति बेलगाम घोड़े या ड्राइवर विहीन कार जैसी होगी। जाहिर है, इसके दुष्परिणाम आपको ही भोगने होंगे। जीवन में संतुलन बेहद जरूरी है। काम के साथ स्वास्थ्य, विश्राम, संबंधों और परिवार पर भी ध्यान देना जरूरी है। कोका-कोला के पूर्व सीईओ ब्रायन डायन ने कॉर्पोरेट करियर में 40 साल बिताने के बाद एक स्पीच में कहा था कि काम पर समय से पहुंचें। तल्लीन होकर काम करें लेकिन घर पर भी समय से पहुंचे। हम जीवन में पांच गेंदों की जग्लिंग करते हैं। पहली गेंद काम, दूसरी परिवार, तीसरी स्वास्थ्य, चौथी दोस्ती और पांचवीं गेंद उत्साह से जुड़ी हुई है। काम-काज की गेंद रबड़ की तरह है। यह हाथ से छूट गई तो दोबारा आ सकती है। लेकिन बाकी गेंदें कांच की तरह होती हैं। ये एक बार हाथ से छूटीं तो टूट जाएंगी। पैसा और प्रोफेशन महत्वपूर्ण है लेकिन सब कुछ यही नहीं है। इसलिए परिवार की महत्ता को पूरी तरजीह दें।

पुरुष भी जरूर करें अपनी हेल्थ केयर

परिवार के अन्य सदस्यों की हेल्थ का पूरा ध्यान रखने वाले पुरुष सदस्य अकसर अपनी हेल्थ पर ध्यान नहीं देते हैं। सभी पुरुषों को अपनी हेल्थ के प्रति अवेयर करने और हेल्दी लाइफ जीने के लिए 'मेंस हेल्थ मंथ (जून)' इंस्पायर करता है।

अवेयरनेस
डॉ. मोनिका शर्मा

जून महीना पुरुषों की स्वास्थ्य समस्याओं को लेकर सजगता लाने से जुड़ा है। इस माह को 'मेंस हेल्थ मंथ' के रूप में मनाया जाता है। यह महीना, पुरुषों की हेल्थ प्रॉब्लम्स को लेकर जागरूक होने को समर्पित है।

पारिवारिक सदस्यों की जिम्मेदारी: परिवार में पिता, दादा, भाई या किसी भी अन्य रिश्ते के रूप में रहने वाले पुरुष सदस्य अगर अपनी सेहत का पूरा ध्यान नहीं रखते हैं तो परिवार के अन्य सदस्यों की यह जिम्मेदारी है, वे उन्हें अपनी हेल्थ को लेकर अवेयर करें। कई तरह की भाग-दौड़ के बावजूद अपनों का स्वास्थ्य सहेजने वाली आपा-धापी में उलझे रहने वाले बाबा, पापा, चाचा या भाई को भी उनकी परेशानियों को समझने वाला साथ चाहिए होता है। उनका हाथ थामकर डॉक्टर के पास तक ले जाने और दवा खिलाने के लिए परिवार के सदस्य समय जरूर निकालें, उनकी तकलीफों को लेकर संवेदनशील बनें।

स्वास्थ्य की अनदेखी: अध्ययन बताते हैं कि पुरुषों की प्राइमरी हेल्थ केयर के लिए चिकित्सक के पास जाने की प्रवृत्ति कम होती है। इसी वजह से पुरुषों में हृदय रोग, कैंसर और दुर्घटना में लगी चोटें, उनका जीवन छीनने के तीन प्रमुख कारणों में से एक बनकर सामने आई हैं। इतना ही नहीं पोस्टपार्टम डिप्रेशन जैसी समस्या महिलाएं ही नहीं पुरुष भी झेलते हैं। उम्र के साथ हार्मोनल बदलावों से जुड़ी परेशानियां पुरुषों के भी हिस्से आती हैं। पैरेंटिंग की यात्रा के उतार-चढ़ाव में पिता भी साझीदार होते हैं। उनकी मनःस्थिति भी बदलती है। कई तरह की चिंताएं उन्हें भी आ घेरती हैं। बावजूद इसके यह जिम्मेदारी निभाने के आयुवर्ग में अधिकतर पुरुष अपनी हेल्थ को लेकर ज्यादा सजग नहीं रहते। अपनों की संभाल का जिम्मा उठाने वाले पिता, पति और बेटे खुद अपनी स्वास्थ्य समस्याओं को सीरियसली नहीं लेते। मन ही मन बहुत सी परेशानियों से जूझते रहते हैं। अपनी तकलीफें बताने के बजाय अपनों की परेशानियों का हल निकालने में जुटे रहते हैं। ऐसे में घर की महिला सदस्य और बच्चे अपने पति, पिता और दादाजी को खुद की देखभाल के लिए प्रेरित भी कर सकते हैं और स्नेह भरा दबाव भी बना सकते हैं। अपने स्वास्थ्य की अनदेखी करने के इस बर्ताव के खिलाफ प्यारी सी जिद ठान सकते हैं। घर के पुरुष सदस्य, अपने बच्चों की बात नहीं टाल पाते हैं।

स्नेह-साथ आवश्यक: हमारे सोशल सिस्टम में बहुत सहजता से यह मान लिया जाता है कि घर के पुरुष सदस्यों को साथ, स्नेह और संवेदनशील बर्ताव की दरकार है ही नहीं। खासकर उस आयुवर्ग में जब वे अपनी जिम्मेदारियां संभालने योग्य हो जाते हैं। पिता, पति और बेटे के रूप में परिजनों के लिए हर मोर्चे पर भागम-भाग करने लगते हैं। ऐसे में बड़े होते बच्चों का अपने पिता के प्रति जुड़ाव ही संबल बन सकता है। शारीरिक स्वास्थ्य सहेजने के लिए ही नहीं भावनात्मक मजबूती के मोर्चे पर भी यह स्नेह भरा साथ बहुत आवश्यक है।

अपनों की भूमिका अहम: पुरुषों की सेहत से जुड़ी चिंताओं के प्रति अवेयरनेस लाने और बहुत सी स्वास्थ्य समस्याओं की तरफ ध्यान लाने और उसे बेहतर तरीके से प्रबंधित करने के लिए तय किया गया यह विशेष वार्षिक आयोजन (मेंस हेल्थ मंथ) वाकई अहम है। इस दौरान चलाए जाने वाले जागरूकता अभियान, यह भी बताते हैं कि घर के पुरुष मेंबर की हेल्थ संभालने के लिए अपनों की सक्रियता बेहद जरूरी है। अमेरिकी लेखक, राजनीतिज्ञ और डिप्लोमैट बिल रिचर्डसन ने कहा था कि पुरुषों की स्वास्थ्य समस्याओं को पहचानना और उन्हें रोकना केवल पुरुषों का मामला नहीं है। इसका असर पत्नियों, माताओं, बेटियों और बहनों पर भी पड़ता है। इससे स्पष्ट होता है कि पुरुषों का स्वास्थ्य वास्तव में एक व्यक्ति का नहीं पारिवारिक मुद्दा है। इसे गंभीरता से लेना चाहिए। इससे परिवार में खुशहाली आती है। *

प्रिकॉशन
बाल मुकुंद ओझा

गेमिंग जोन में खोए बच्चे

खेलों को बच्चों के मानसिक विकास के लिए जरूरी माना जाता है। लेकिन हाल के वर्षों में गेमिंग जोन और ऑनलाइन गेम्स के बढ़ते ट्रेंड से बच्चों में कई हेल्थ प्रॉब्लम्स सामने आने लगी हैं। ऐसे में पैरेंट्स को एलर्ट होने की जरूरत है।

बच्चों के लिए बनाए जाने वाले गेमिंग जोन को लेकर इस समय पूरे देश में खासी चर्चा हो रही है। सवाल है, आखिर ये गेम जोन है क्या? इसका चलन देश और विदेशों में इतना क्यों बढ़ने लगा है?

विदेश से आया ट्रेंड: गेमिंग जोन की शुरुआत विदेशों में बहुत पहले हो चुकी थी। समय के साथ अन्य तकनीकों की तरह भारत के छोटे-बड़े शहरों में इसका भी विस्तार होने लगा है। गेमिंग जोन एक ऐसी जगह होती है, जहां लोग गेम खेल सकते हैं। इसे अलग-अलग तरह के गेम्स के लिए डिजाइन किया जाता है। भारत में गेमिंग जोन की लोकप्रियता बढ़ रही है। देश में लगभग हर बड़े शहर और मेट्रो सिटीज में आपको गेमिंग जोन मिल जाएंगे।

कैसे होते हैं गेमिंग जोन: गेमिंग जोंस में वीडियो गेम्स खेलने के लिए विशेष रूप से गेम्स डिजाइन किए जाते हैं। यह एक अलग क्षेत्र होता है, जो स्पेशल गेमिंग उपकरणों से तैयार किया जाता है। गेमिंग जोन के गेम्स में प्लेयर्स को अधिक तेज और रोमांचक गेमिंग अनुभव प्राप्त करने के लिए स्पेशल फीचर्स डाले जाते हैं।

बच्चे करते हैं पसंद: बच्चों को गेमिंग जोन काफी पसंद आते हैं। इसकी वजह यह है कि पिछले कुछ सालों से बच्चों में इंडोर वीडियो गेम और फोन पर गेम्स खेलने की आदत काफी बढ़ गई है। कई मामलों में तो बच्चों को गेम की लत भी लग जाती है और वो चाहकर भी गेम खेलना छोड़ नहीं पाते। इसी तर्ज पर बनाए गए गेम्स जोन, बच्चों को खूब लुभाते हैं। यही वजह है कि छुट्टी के दिनों पर तो मॉल्स में बनाए गए गेमिंग जोन में बच्चों की काफी भीड़ रहती है। बच्चों को इस तरह के गेम्स खेलने में बहुत मजा आता है। इससे उनके शरीर में डोपामाइन नामक केमिकल ज्यादा रिलीज होता है। डोपामाइन एक न्यूरो ट्रांसमीटर है, जो हमारे शरीर के दिमाग को रोमांच, संतुष्टि और खुशी महसूस कराता है। इस वजह से बच्चे ऐसे गेम ज्यादा खेलते है।

बच्चों की हेल्थ पर बुरा प्रभाव: ऑनलाइन गेम्स हों, इंडोर गेम्स या गेमिंग जोन के गेम्स, इनकी लत बच्चों की मेंटल हेल्थ पर बैड इफेक्ट डाल सकती है। इससे बच्चों में डिप्रेशन, एंजाइटी जैसी समस्याएं हो सकती हैं। बीते कुछ सालों से इस तरह के कई मामले भी सामने आए हैं, जिसमें गेम की लत ने बच्चों की मानसिक सेहत को प्रभावित किया है। उन्होंने अपने घर की चीजों, सदस्यों या दोस्तों को नुकसान भी पहुंचाया है। ऐसे गेम्स से बच्चों में हिंसक सोच भी बढ़ती है। खराब मेंटल हेल्थ के चलते बच्चों की पढ़ाई और प्रदर्शन प्रभावित होता है। ऐसे गेम्स की लत में बच्चों की मेंटल हेल्थ के साथ-साथ फिजिकल हेल्थ भी बिगड़ती है।

पैरेंट्स ना करें लापरवाही: अपने बच्चों को मोबाइल, कंप्यूटर और गेम जोन में खेलते देखकर कई माता-पिता बहुत खुश होते हैं। वे दूसरों को बड़े गर्व के साथ यह बताते तनिक भी नहीं हिचकते कि उनका बच्चा डिजिटल दुनिया के नए जमाने के साथ दौड़ रहा है। लेकिन शायद वे इस बात से अनजान हैं कि जिसे वह बच्चे की स्मार्टनेस समझ रहे हैं, वह उसके विकास में बाधा भी बन सकता है। इसलिए अगर आपके बच्चे भी ऐसे गेमिंग जोन में या ऑनलाइन गेमिंग में अकसर या बहुत ज्यादा समय बिताते हैं तो बिना देर किए आपको इस पर गहनता से विचार करने की जरूरत है। आपका बच्चा ऐसे गेम्स का एडिक्ट हो जाए, उससे पहले ही आपको एलर्ट हो जाना चाहिए। ऐसा न हो कि आपके बच्चे का बचपन गेमिंग जोन के चमक-दमक वाले मायाजाल में कहीं खो जाए। इसलिए इस लत से छुटकारा दिलाने के लिए पहले अपने स्तर पर प्यार से समझाने का प्रयास करें। जरूरत हो तो चाइल्ड काउंसलर या साइकोलॉजिस्ट की मदद भी ले सकते हैं। *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

गहन सामाजिक विमर्श

जगमोहन सिंह राजपूत शिक्षाविद तो हैं ही, सामाजिक, राष्ट्रीय और वैश्विक मुद्दों के विचारक भी हैं। हाल में आई पुस्तक 'भारतीय विरासत और वैश्विक समस्याएं (व्यग्रता, उग्रता और समग्रता)' में उनके कई विचारोत्तेजक लेख संकलित हैं। यहां पर लेखक ने कई ऐसी समस्याओं पर विचार किया है, जो केवल एक देश-समाज के लिए ही नहीं संपूर्ण विश्व के लिए चुनौती बने हुए हैं। आज आतंकवाद, सांप्रदायिक उन्माद, असहनशीलता और संवेदनहीनता जैसी समस्याओं का सामना संपूर्ण मानव समाज कर रहा है। ये ऐसी समस्याएं हैं, जिनके निवारण के बिना हम एक सभ्य समाज, विकासोन्मुख देश और बेहतर दुनिया की उम्मीद नहीं कर सकते हैं। अच्छी बात यह है कि इन समस्याओं के मूल कारणों, इनके दुष्परिणामों पर ही नहीं, उनके समाधान के रास्तों पर भी लेखक ने इन लेखों में गहनता से विचार किया है। *

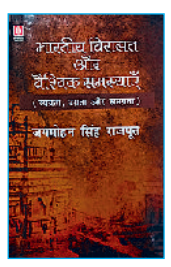

पुस्तक: भारतीय विरासत और वैश्विक समस्याएं, **लेखक:** जगमोहन सिंह राजपूत, **मूल्य:** 350 रुपए, **प्रकाशक:** किताबघर प्रकाशन, नई दिल्ली

लघुकथाएं

तपती दुपहरी

भीषण गर्मी की तपती दुपहरी थी। घर से बाहर निकलते लगता कि आदमी बेहोश होकर गिर जाएगा। धरती पर कण-कण तप रहा था। लेकिन बुलकिया को दम मारने की भी फुरसत नहीं थी। वह सुबह से ही लगी हुई थी। जल्दी-जल्दी ईंटे ढो रही थी। यह सोचती, बस एक खेप और...बस एक खेप और... फिर बच्चे को दूध पिला आएगी। बीच-बीच में बच्चा उठता, थोड़ी देर रोता फिर सो जाता। भीषण लू चल रही थी। पेट की बात नहीं होती तो बुलकिया निकलती भी नहीं। उसने कनखियों से बच्चे कजरा की ओर देखा। वह बस साल भर का था, नीम के पेड़ के नीचे लेटा हुआ था। पेड़ अब ठूंठ ही बचा था। पेड़ की शाखों पर नाम मात्र की पत्तियां ही बची थीं। बुलकिया को तेज भूख लग आई थी, लेकिन वह ईंटों को ढोने में लगी हुई थी। आधी दोपहर निकल गई थी। वह भी बेचारी क्या करे? उसका आदमी रामसूरतवा डेढ़ साल हुए पैसा कमाने पहले विदेश चला गया था। बैंक के दलालों की मदद से किसी तरह पैसा कर्जा लेकर वह दुबई गया था, लेकिन वह घर नहीं लौटा। दुबई में कहीं टावर पर चढ़कर काम कर रहा था। एक बार नीचे गिरा तो उठ ना सका। बुलकिया अपने पति की लाश भी नहीं देख पाई थी। बैंक से दो लाख का कर्जा लेकर गया था पति, साल भर से वह उसका मय ब्याज चुका रही है। रामसूरतवा अपने पीछे दो बच्चे छोड़ गया है- मिंटुआ और कजरा। मिंटुआ तो खैर बड़ा हो गया है। बड़ा भी भला क्या हुआ है, चौदह साल का है। अट्ठारह घंटे चूड़ी फैक्ट्री में काम करता है। तब जाकर वो पांच हजार कमा पाता है। उसकी कमाई से ही घर चलता है।

पेड़ के नीचे कजरा बहुत देर से लेटा था। धूप की किरणें कांच की किरचों की तरह उसके बदन पर चुभ रही थीं। अचानक से वह जोर-जोर से रोने लगा। सुरेखवा से नहीं रहा गया तो चिल्लाई, 'अरे बहन! सुबह से ही बच्चे को धूप में सुला रखा है। कम-से-कम उसे छाया में तो लिटा, उसे कुछ खिला-पिला दे। तू भी तो कुछ खा-पी ले। इतनी धूप में क्यों काम कर रही है? थोड़ा सुस्ता ले बहन। काहे जान देने पर तुली है? बचेगी तो तभी काम करेगी, जा कुछ खा ले। यहां तो ऐसे लोग हैं, जो ठंडे एसी कमरों में पड़े हुए हैं।

एक हमारा नसीब है, धूप और लू में भी काम करना पड़ रहा है। सब अपने-अपने भाग्य की बात है।' तभी रामानंद ठेकेदार उधर से गुजरा, उसने भी टोका, 'ऐ, बुलकिया, तुझे और तेरे बच्चे को धूप नहीं लग रही है क्या? जा थोड़ा सुस्ता ले।'

बुलकिया के मन में आया कह दे, 'बाबू, भूख के आगे धूप कहां लगती है।' लेकिन उसे लगा उसकी आवाज को लकवा मार गया है। *

-महेश कुमार केशरी

प्यासा कौआ

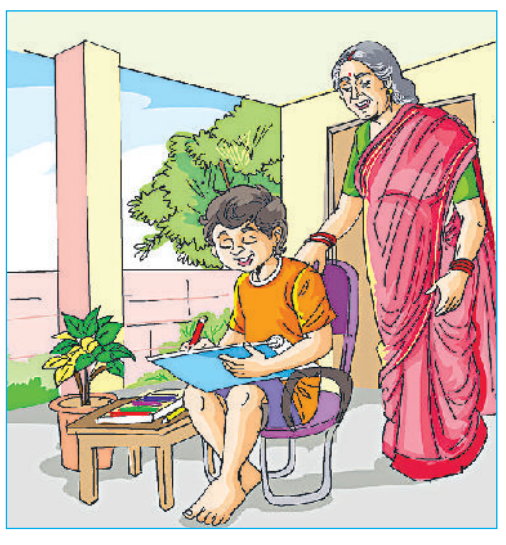

ओह कैसी गर्मी है? दो-चार रोटियां बनाने में जी घबरा गया। ये सिल्लो भी कितनी छुट्टी करती है और नलों का भी यही हाल है। सारे बर्तन खाली पड़े हैं। सूखे नल ही हुड़हुड़ा रहे हैं।' पसीना पोंछते हुए गर्मी को कोसते हुए वह किचन से बाहर निकल आईं। सामने उन्हें अपना पौत्र दिखाई दिया, 'अरे बंटू! इतनी गर्मी में तुम यहां बैठे हो?'

आंगन में रखी अपनी छोटी कुर्सी पर बैठा हुआ, अपनी ही धुन में ड्राइंग कॉपी में अपने नन्हे-नन्हे हाथ से कुछ बना रहा था। बंटू को भी उसकी ही तरह घर का आंगन बहुत पसंद है। गमलों में मुस्कुराते एक से एक सजावटी पौधे, कोने में पारिजात के पेड़ पर टंगी घंटियां और एक विशिष्ट सजावट मन को सुकून से भर देता है यह आंगन। उन्होंने बंटू से कहा, 'इस गर्मी में बाहर बैठे हो! चलो अंदर चलो।'

बंटू ने बताया, 'दादी मैं ड्राइंग बना रहा हूं।'

उन्होंने कॉपी में झांक कर देखा पेड़, पौधे चिड़ियां, लाल-पीले फूल, तितलियां और आसमान में बादल, झरती वर्षा की बूंदें, वहीं दूसरी ओर खाली मटका, मटके के पास एक मृत कौआ।

'यह क्या बंटू?' उन्होंने पूछा।

'दादी कल आपने कहानी सुनाई थी न, कौए को कहीं भी पानी नहीं मिला, सब जगह सूखा ही सूखा। कहीं भी पानी की एक बूंद भी नहीं और कौआ प्यासा ही मर गया।' बंटू की आवाज में एक पीड़ा थी।

वह आगे भी बोला, 'देखो दादी, मैंने पेड़, लगाए हैं, उससे बादल आए, बारिश आई और यह नदी! देखो नदी में कितना सारा पानी है।' उन्होंने देखा बंटू के मुख और स्वर से खुशी फूट रही थी।

'पर तुम्हारा कौआ तो प्यासा ही मर गया। अब क्या फायदा?' उन्होंने बंटू से पूछा।

'दादी देखो! दूसरा कौआ तो आकाश में उड़ रहा है न।' वह बोला।

न जाने क्यों निगाहें अपने आप ही आसमान की ओर उठ गईं। उफ्फ! आग उगलते आसमां में एक भी परिंदा न दिखा। पर उन्होंने मिट्टी के खाली सकोरों को पानी से लबालब जरूर भर दिया। *

-यशोधरा भटनागर

{ टूरिस्ट प्लेसेस / शिखर चंद जैन }

वैसे तो दुनिया भर में हजारों-लाखों ब्रिजेज, नदी, सागर और पहाड़ों पर बनाए गए हैं। लेकिन हम आपको यहां कुछ ऐसे स्काई ब्रिज के बारे में बता रहे हैं, जिस पर से गुजरते हुए आपको भरपूर रोमांचक अनुभव मिलेगा। यहां से आपको आसमान और धरती के ऐसे अद्भुत नजारे दिखेंगे, जिसकी आप कल्पना भी नहीं कर सकते हैं।

थ्रिल से भरपूर अमेजिंग ब्रिज

टिटलिस क्लिफ वाक

स्विटजरलैंड के टिटलिस पहाड़ पर बना यह झूला पुल, दुनिया का सबसे ऊंचा ससपेंशन ब्रिज माना जाता है। समुद्री सतह से 3000 मीटर की ऊंचाई पर बने इस ब्रिज पर टहलने के लिए सचमुच बहुत हिम्मत चाहिए, क्योंकि यहां से आसमान आपको अपनी पहुंच में नजर आएगा और नीचे देखेंगे, तो सिर चकरा जाएगा। जी हां, 100 मीटर लंबे और मात्र 1 मीटर चौड़े इस ब्रिज पर अपना दिल थाम कर आप आगे बढ़ेंगे तो चारों ओर बिखरी सफेद बर्फ और नीले आसमान के नीचे पहाड़ का मनोरम दृश्य आपको स्वर्गिक आनंद तो देगा ही, आपको रोमांच से भी भर देगा। *

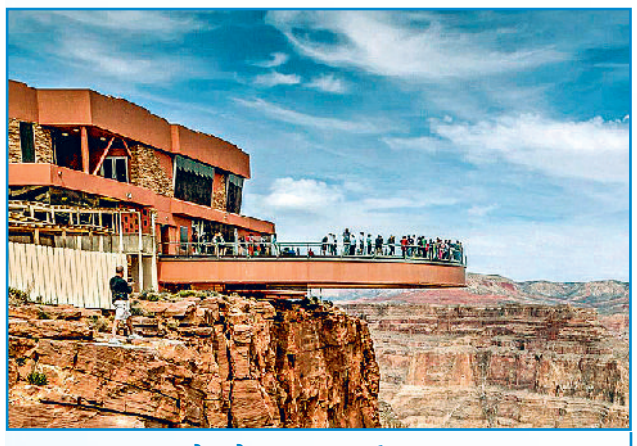

ग्रैंड कैन्यन स्काई वाक

अरिजोना (यूएसए) के कैन्यन नेशनल पार्क में 4700 फीट की ऊंचाई पर बना यह पुल, पूरी तरह पारदर्शी है। यह वाक वे दुनिया के सबसे रोमांचक और सिहरन पैदा करने वाले पर्यटक स्थानों की सूची में शुमार है। इस पर टहलते समय नीचे गहरी खाई और ऊपर नीला आसमान नजर आता है तो अच्छे अच्छों का सिर चकरा जाता है। इसकी सैर करते समय आपको म्यूजियम, लाउंज और स्पेशल आइटम्स वाली शॉप भी देखने को मिलेगी। घोड़े के नाल की आकार का यह पुल, दर्शकों का दिल छू लेता है। अगर आप इस पर सैर करने का साहस न जुटा पाएं तो कोई बात नहीं, इसके नजदीक बने ओपन कैफे में बैठकर भी इसके नजारे ले सकते हैं। *

ऑरलैंड लुकआउट

स्विमिंग पुल में कूदने के लिए जो डाइविंग बोर्ड बनाए जाते हैं, वैसी ही डिजाइन है नॉर्वे के इस हैंगिंग ब्रिज ऑरलैंड लुकआउट की। ढलान ऐसी कि दिल घबरा जाए। बहादुर से बहादुर इंसान भी इसके अंतिम छोर तक जाने का साहस नहीं जुटा पाएगा क्योंकि इसका छोर पारदर्शी कांच से बनाया है और वह भी बिना फ्रेम के। नीचे घाटी में झांकेंगे, तो लगेगा बस आप अगले ही पल नीचे गिरने वाले हैं और ऊपर आसमान इतना नजदीक दिखेगा कि आपको लगेगा, आप इसे हाथ से पकड़ लेंगे। *

मोंटीवर्डी रेनफॉरेस्ट स्काई वाक

दक्षिण अमेरिकी महाद्वीप के कोस्टारिका देश में बना यह स्काई वाक इकोटूरिज्म का नायाब उदाहरण है। हैंगिंग ब्रिजेज की श्रृंखला से बना यह 2.5 किलोमीटर लंबा ब्रिज, आपको 2500 तरह के पेड़-पौधे, 400 तरह के पक्षी और कम से कम 100 तरह के जानवरों को देखने का भी मौका देता है। इस पुल पर आप लंबे-लंबे पेड़ों के शिखरों के बगल में चलते हैं और अपने चारों ओर प्रकृति का जीवंत रूप देखते हैं, तो मन आनंद से भर जाता है। इस बियाबान जंगल में सूरज की रोशनी बड़ी मुश्किल से धरती को छू पाती है। ऐसे में ब्रिज पर सैर करते हुए हवाई नजारा लेना एक अनूठी अनुभूति है। *

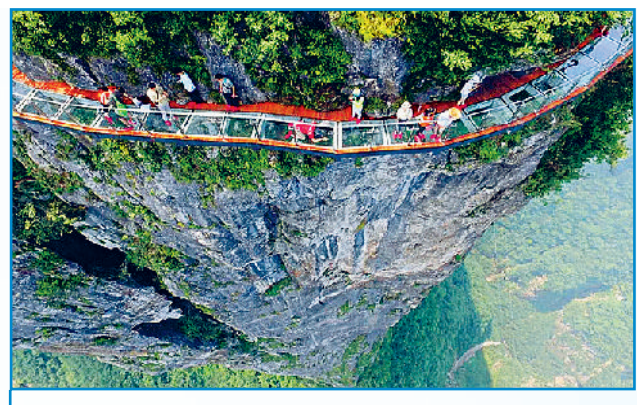

थियानमेन मुंटेन स्काईवाक

चीन के हुनान प्रांत में बना यह स्काई वाक वे 4700 फीट की ऊंचाई पर स्थित पहाड़ी पर बना है। इस वाक वे पर चलने से पहले भरपूर जीवट वाला इंसान भी एक बार घबरा जाएगा, क्योंकि एक ओर पहाड़ी की खड़ी ढाल है और दूसरी ओर 4000 फीट गहरी खाई। दिलचस्प बात यह कि इसका 3 फीट चौड़ा पैसेज पारदर्शी कांच का बना है, जिससे आप खुद को हवा में झूलता सा महसूस कर सकते हैं। इस स्काई ब्रिज पर टहलना 'वाक आफ फेथ' कहा जाता है, क्योंकि माना जाता है कि यह कमजोर दिलवालों के लिए नहीं, अत्यधिक आत्मविश्वास वाले लोगों के लिए ही है। *

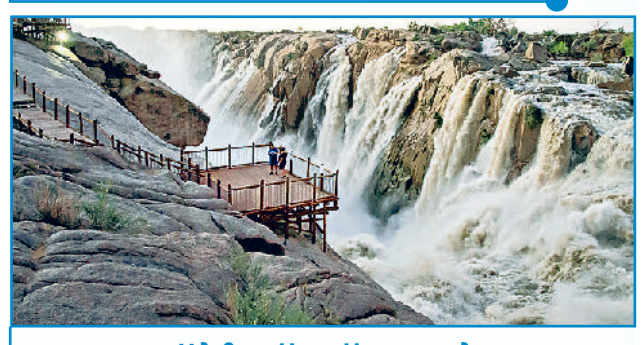

ऑग्रेबीज वॉटरफॉल्स वाक वेज

दक्षिण अफ्रीका के नार्दर्न केप में बने ऑग्रेबीज नेशनल पार्क में लकड़ी से बना यह ब्रिज आपको वाटरफाल के नजदीक पहुंचाता है। 5 कि.मी. लंबा यह वाक वे आपको उस अद्भुत मनोहारी दृश्य को नजदीक से देखने का मौका देता है, जो ऑरेंज नदी के लहराते जल के 240 मीटर गहरी और 18 किमी लंबी खाई में गिरने से उपस्थित होता है। इस पानी का शोर ऐसा होता है मानो सैंकड़ों नगाड़े पूरी ताकत के साथ बजाए जा रहे हैं। वाक वे पर खड़े होकर इस दृश्य को देखना और आवाज को सुनना वाकई एक अविस्मरणीय अनुभव होता है। *

सावधानी है जरूरी

अगर आपको कभी इन वाक वेज को देखने का मौका मिले और इनकी सैर करें तो कुछ सावधानी जरूर बरतें-

- चप्पल या आसानी से खुलकर निकल जाने वाले फुटवियर न पहनें।
- लहराने वाले या लूज ड्रेस जैसे दुपट्टा, मफलर आदि न पहनें।
- मोबाइल फोन, सनग्लास, कैमरे जैसे आइटम साथ में न रखें।
- नींद की दवा या नशीले पदार्थों का सेवन करने के बाद भूलकर भी यहां न जाएं।
- स्वास्थ्य संबंधी कोई शिकायत है, तो डॉक्टर से कंसल्ट जरूर कर लें।

{ रोचक / डॉ. शिबन कृष्ण रैणा }

शारजाह की विशाल सब्जी मंडी

जब भी मैं यूएई (यूनाइटेड अरब अमीरात) जाता हूं तो शारजाह शहर में स्थित सब्जी मंडी को देखना नहीं भूलता। सचमुच, अद्भुत और दर्शनीय! कह नहीं सकता कि विश्व में ऐसी भव्य, विशालकाय और मनोरम सब्जी मंडी कहीं और होगी या नहीं? इस सब्जी मंडी का नाम है 'सौक अल-जुबैल।' सैंतीस सौ वर्ग मीटर क्षेत्रफल में फैले इस विशालकाय वातानुकूलित परिसर में मुख्यतया तीन मार्केट मौजूद हैं। एक में फल और सब्जियां, दूसरे में मीट, चिकन, मछली जबकि तीसरे में सूखे मेवे आदि की दुकानें हैं। कुल मिलाकर इसमें 370 दुकानें हैं, जिनमें 212 सब्जी और फल की और शेष दुकानें नॉनवेज की हैं। पहले यह मंडी दूसरी जगह पर हुआ करती थी। नया परिसर बनने पर पुरानी मंडी की सारी दुकानें यहां पर शिफ्ट कर दी गई हैं।

यहां की व्यवस्था और साफ-सफाई शानदार है। कहीं कोई गिचपिच नहीं, कोई गंदगी नहीं। कहीं कोई शोर-शराबा भी नहीं। हर चीज का एक दाम। कोई मोल भाव भी नहीं। चारों ओर अनुशासन और शांति का माहौल। यूएई चूंकि-कृषि प्रधान देश नहीं है, इसलिए फल, सब्जी आदि खाने-पीने की चीजें मुख्यतया ओमान, भारत, पाकिस्तान, इटली, अमेरिका, श्रीलंका, ऑस्ट्रेलिया आदि देशों से यहां मंगवाई जाती हैं। इस सब्जी मंडी की विशालकायता का अंदाज इस बात से लगाया जा सकता है कि परिसर के बाहर 750 कारों के लिए पार्किंग की व्यवस्था है। 800 ट्रॉलियों से लैस परिसर में एटीएम के साथ-साथ वाई-फाई की सुविधा भी उपलब्ध है। पूरा परिसर चौबीस घंटे सीसीटीवी कैमरों की निगरानी तले रहता है। परिसर की ऊपर वाली मंजिल पर 'सौक अल-जुबैल' का प्रशासनिक कार्यालय भी स्थित है। *

{ ट्रेंड / विवेक कुमार }

बहुत कुछ कहती हैं अंगुली में पहनी अंगूठियां

हममें से कई लोग रईसी दिखाने के लिए तो कुछ अट्रैक्टिव या डिफरेंट दिखने के लिए ज्वेलरी पहनना पसंद करते हैं। विभिन्न धातुओं से बनी ये ज्वेलरीज हमारे स्वभाव से लेकर हमारे स्वास्थ्य तक को प्रभावित करती हैं। लेकिन अगर अंगूठियों की बात करें तो इससे हमारी पर्सनालिटी तो निखरती ही है। अलग-अलग अंगुलियों में पहनी गई अंगूठियां, अलग-अलग एंगल और अंदाज से हमारे व्यक्तित्व और मनोविज्ञान का खुलासा भी करती हैं। इस बारे में जानिए कुछ रोचक बातें।

अंगूठे में अंगूठी: जब आप अपने दाएं हाथ के अंगूठे पर अंगूठी पहनते हैं तो यह आपके महत्वाकांक्षी होने के मनोविज्ञान को दर्शाता है। यदि आप अपने बाएं हाथ के अंगूठे पर अंगूठी पहनते हैं तो यह आपके अंदर के मनोवैज्ञानिक संघर्ष को दर्शाता है। इसका एक पहलू आपकी पर्सनालिटी को उभारने के संबंध में भी होता है। अगर आपकी बॉडी फिट है, लंबाई 6 फीट के आस-पास है, बदन भारी नहीं है, चेहरे में आत्मविश्वास और ऊर्जा की मौजूदगी है, तो अंगूठे में पहनी गई अंगूठी आपकी अलग ही चमक दिखाती है। यह आपके समूचे व्यक्तित्व को एक ड्राइविंग फोर्स देती है।

तर्जनी अंगुली में अंगूठी: तर्जनी अंगुली पर अंगूठी पहनना हालांकि बहुत आसान है, लेकिन आप ध्यान से देखें तो अंगूठी का शौक रखने वाले भी महज 5 से 10 फीसदी लोग ही तर्जनी में अंगूठी पहनते हैं। दरअसल, तर्जनी पर अंगूठी वही पहनते हैं, जो अपने आत्मसम्मान और आत्मविश्वास को सार्वजनिक रूप से दर्शाना चाहते हैं, जिनमें नेतृत्व के गुण होते हैं। अगर इस बात को राजनेताओं से जोड़कर देखें तो अकसर राजनेता तर्जनी अंगुली पर अंगूठी पहने मिल जाते हैं। लेकिन अगर इसे सिर्फ फैशन के लिहाज से देखें तो तर्जनी अंगुली पर उन्हीं को अंगूठी पहनना शानदार दिखाता है, जिनकी पर्सनालिटी पहले से ही भरी-पूरी हो।

मध्यमा अंगुली पर अंगूठी: मध्यमा अंगुली जिम्मेदारी, सुंदरता, आत्मविश्लेषण यानी आपके बारे में बहुत कुछ कहती है। परिवार के मुखिया आमतौर पर मध्यमा अंगुली पर ही अंगूठी पहनना पसंद करते हैं, क्योंकि वे जिम्मेदारी उठाना पसंद करते हैं। मध्यमा अंगुली पर अंगूठी किसी भी लंबाई के पुरुष में अच्छी लगती है, बशर्ते उसके चेहरे में उत्साह हो और आत्मविश्वास भी झलकता हो।

अनामिका अंगुली में अंगूठी: अनामिका एक ऐसी अंगुली है, जिसमें करीब-करीब हर कोई अंगूठी पहनता है और यह भी कहना चाहिए कि हर किसी की अनामिका में पहनी गई अंगूठी अच्छी भी लगती है। शायद इसकी वजह यह है कि इस अंगुली पर जब भी हम अंगूठी पहनते हैं, यह अच्छी लगती है। इसलिए यह अंगूठी पहनने के लिए सबसे कॉमन अंगुली है। रिश्तों की रचनात्मकता को पहचानना हो तो किसी के अनामिका में पहनी गई अंगूठी को देख लें। इसी वजह से विवाह के समय हर जोड़ा इसी अंगुली पर अंगूठी पहनाता है। वास्तव में अनामिका का रिश्ता चंद्रमा और रोमांस से है।

कनिष्ठा अंगुली में अंगूठी : कनिष्ठा यानी छोटी अंगुली पर बहुत कम लोग अंगूठी पहनते हैं। आमतौर पर इस अंगुली में वही लोग अंगूठी पहनते हैं, जिन्हें किसी विशेष मकसद से कोई अंगूठी पहननी हो। लेकिन इस अंगुली में अंगूठी पहनने वालों का एक स्पष्ट मनोविज्ञान होता है। ये पेशेवर होते हैं, बुद्धिमान होते हैं, दूसरे की कम सुनते हैं और अपने आत्मज्ञान पर भरोसा करते हैं। सही तरीके से ड्रेसअप होने पर कनिष्ठा में पहनी गई अंगूठी पर्सनालिटी में चार चांद भी लगाती है। *

रिचा चड्ढा ने अपने अलग तरह के रोल्स और दमदार अभिनय से फिल्मों में एक अलग पहचान बनाई है। इन दिनों वह वेब सीरीज 'हीरामंडी' में अपने किरदार को लेकर चर्चा में हैं। इस सीरीज में उन्होंने अपने अभिनय से दर्शकों को काफी प्रभावित किया है। रिचा चड्ढा से उनकी प्रोफेशनल और पर्सनल लाइफ से जुड़ी खुलकर बातचीत।

लज्जो मेरी नई पहचान है : रिचा चड्ढा

{ बातचीत / पूजा सामंत }

पिछले दिनों ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज हुई संजय लीला भंसाली निर्देशित वेब सीरीज 'हीरामंडी' में आप लज्जो के किरदार में नजर आ रही हैं। इसे दर्शकों ने खूब पसंद किया। आप क्या कहना चाहेंगी ?

हर कलाकार चाहता है कि उसे भंसाली सर के साथ काम करने का मौका मिले। एक स्त्री का चित्रण जिस खूबसूरती से भंसाली सर करते हैं, वैसा किसी और के लिए करना मुश्किल है। वे हर फ्रेम को बेहद सुंदर बना देते हैं। परफेक्शन का दूसरा नाम हैं- संजय लीला भंसाली। 'हीरामंडी' में लज्जो का किरदार निभाकर मुझे काफी प्रशंसा मिल रही है।

सुना है 'हीरामंडी' में आप एक डांस सीक्वेंस परफॉर्म करते समय रो पड़ी थीं ?

अभी तो मैंने बताया कि भंसाली सर कितने परफेक्शनिस्ट हैं। जब तक शॉट 'द बेस्ट' न हो, रीटेक तो होते रहेंगे। शो के एक डांस सीक्वेंस में लज्जो को मुजरा करते हुए दिखाया गया है, यह कथक के तोड़े हैं। मेरे लगातार रीटेक्स हुए जा रहे थे। मुझे इस बात को लेकर घबराहट हो रही थी कि आखिर मेरा शॉट फाइनल होगा या नहीं, इसलिए मेरी आंखों में आंसू आ गए। 99 रीटेक्स के बाद मेरा कथक वाला मुजरा ओके हुआ।

'हीरामंडी' में को-आर्टिस्ट्स के साथ लज्जो के किरदार में रिचा चड्ढा

आप और आपके पति अली फजल ने एक्टिंग फील्ड में होते हुए भी अपना फिल्म प्रोडक्शन शुरू किया। क्या फिल्म निर्माण के क्षेत्र में उतरने के पीछे कोई खास मकसद है ?

चलती-फिरती जिंदगी में कई बार कुछ ऐसे वाकये हो जाते हैं कि लगता है यह तो फिल्म का सब्जेक्ट है। यह जरूरी नहीं कि मेरा सुनाया सब्जेक्ट या कहानी किसी और निर्माता को पसंद आए। इसलिए किसी अच्छी-रोचक कहानी पर हमने स्वयं फिल्म बनाना सही समझा। सो फिल्म निर्माण में आ गए।

आप और अली फजल दोनों फिल्म कलाकार हैं, जीवन साथी भी हैं। फिल्म निर्माण भी साथ में कर रहे हैं, ऐसे में क्या 'क्रिएटिव डिफरेंसेज' की गुंजाइश नहीं रहेगी ?

रहेगी न! किसी मुद्दे को लेकर वैचारिक मतभेद का होना स्वाभाविक है। अली को लव स्टोरीज आकर्षित करती हैं और मैं सोचती हूं, एक्शन का तड़का कहानियों में हो तो वो यूनिवर्सल अपील बन जाती है। लेकिन हम दोनों एक-दूसरे के विचारों का सम्मान करते हैं।

आपके प्रोडक्शन की फिल्म 'गर्ल्स विल बी गर्ल्स' सराही जा रही है। इस फिल्म के बारे में कुछ बताएं।

सूचि तलाटी निर्देशित हमारी यह फिल्म 21 अगस्त को फ्रांस में रिलीज होगी। इस फिल्म में प्रीति पाणिग्रही, कनि कुसूरति, केशव बिनॉय किरण, जितेन गुलाटी, देविका शाहनी और काजल चुघ मुख्य भूमिका में हैं। ये सभी बड़े होनहार कलाकार हैं। अभी फिल्म की पूरी स्टोरी बताना ठीक नहीं रहेगा। वैसे इसे एक मां और बेटी के संघर्ष की कहानी कहा जा सकता है।

अब तक की अपनी जर्नी को कैसे देखती हैं ?

मेरी जर्नी स्लो एंड स्टेडी रही है। मुझे लगता है मेरी हर फिल्म, हर किरदार ने मुझे सिखाया है, मेरी ग्रोथ हुई है। मैं रातों-रात स्टार नहीं बनी, धीरे-धीरे आगे बढ़ी हूं। 2008 में रिलीज हुई फिल्म 'ओए लक्की! लक्की ओए' में एक छोटे रोल से मैंने अपना फिल्मी सफर शुरू किया था। उसके बाद 'मसान', 'गैंग्स ऑफ वासेपुर', 'गोलियों की रासलीला-राम लीला' जैसी फिल्मों में मेरे किरदारों को दर्शकों और फिल्म-क्रिटिक्स के अच्छे रेस्पॉन्स मिले। मेरा किरदार 'भोली पंजाबन' इतना पॉपुलर हुआ कि मुझे 'फुकरे', 'फुकरे रिटर्न्स' में उसी तरह के रोल ऑफर हुए। आज भी मुझ पर से 'भोली पंजाबन' का स्टैंप पूरी तरह से हटा नहीं है। अब मेरे कई फैंस मुझे 'लज्जो' (हीरामंडी) के नाम से जानने लगे हैं, यह मेरी नई पहचान है। *

यह भी बताया...

प्रेग्नेंट रिचा के अहसास : रिचा चड्ढा बहुत जल्द मां बनने वाली हैं। वह कैसा महसूस कर रही हैं, पूछने पर बताती हैं, 'मैं बहुत ज्यादा एक्साइटेड हूं। मैं अली को 2015 से जानती हूं। वेनिस फिल्म फेस्टिवल में 'विक्टोरिया एंड अब्दुल' फिल्म के प्रीमियर पर हम पहली बार मिले थे। हमारी मुलाकात दोस्ती और प्यार में तब्दील हुई। हमने 2020 में शादी की, अब हम 2024 में मम्मी-पापा बन रहे हैं। हमारा प्यार, हमारे रिश्ते बहुत सहज तरीके से आगे बढ़े। अब मुझे मम्मी और अली को पापा कहने वाला कोई आएगा। ये भावनाएं मन पर मोर पंख घुमा रही हैं।'

नहीं छोड़ेंगी अभिनय और फिल्म निर्माण: रिचा से यह सवाल करने पर कि मां बनने के बाद क्या वह अपना एक्टिंग-करियर जारी रखेंगी, वह जवाब देती हैं, 'वक्त तेजी से बदल रहा है, बल्कि बदल चुका है। यह उन मांओं के लिए सुनहरा दौर है, जो अपने बच्चों की परवरिश के साथ अपने करियर को खत्म नहीं करना चाहतीं। मुझे याद है, जब मेरे भाई का जन्म हुआ था, मां ने डिलीवरी के 45 दिनों बाद ही अपनी जॉब कंटिन्यू कर दी थी। प्रेग्नेंसी-डिलीवरी स्त्री के लिए एक ऑर्गेनिक प्रॉसेस है। अगर मां का हाथ बंटाने वाला कोई हो तो यह कोई इश्यू नहीं बनता। मैं भी मनचाहा काम, फिल्में, ओटीटी, फिल्म निर्माण करते रहना चाहूंगी।'